श्रावण कृष्ण - 1 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 1 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- | बेंगलूरु » सोमवार » 22-07-2024 | www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

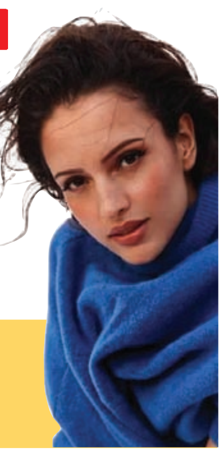

5 खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अच्छे बजट का हकदार : चिराग पासवान

6 महानगरों में बढ़ता जानलेवा प्रदूषण गंभीर चुनौती

7 मैंने खुद को कभी गंभीरता से नहीं लिया : तृप्ति डिमरी

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार 22 जुलाई को हमारे कार्यालय में अवकाश रहेगा। दक्षिण भारत राष्ट्रमत बेंगलूरु संस्करण 20वें और चेन्नई संस्करण 12वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अगला अंक 24 जुलाई 2024 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

BSE	NSE
80,604.65	24,530.90
(-738.81)	(-269.95)

सोना	चांदी
7,616 रु.	91,540 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

विश्व कल्याण के लिए है भारत की प्राचीन विरासत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की प्राचीन विरासत को इतिहास से अधिक एक उत्कृष्ट विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के ज्ञान का भंडार बताते हुए रविवार को कहा कि यह विरासत स्वयं के लिए नहीं बल्कि विश्व कल्याण के लिए है।

मोदी ने यहां भारत मंडपम में संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व विरासत समिति की बैठक का उद्घाटन करते हुए यह बात कही तथा यूनेस्को विश्व विरासत केंद्र की स्थापना के लिए दस लाख डॉलर के अनुदान की घोषणा की। उन्होंने बैठक को संबोधित करते कहा कि भारत, यूनेस्को विश्व धरोहर केन्द्र के लिए एक मिलियन (दस लाख) डॉलर का योगदान करेगा। ये कार्य क्षमता निर्माण, तकनीकी सहायता, और विश्व धरोहरों के संरक्षण में उपयोग होगा। विशेषरूप से ये धनराशि ग्लोबल साउथ के देशों को काम आएगी। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विदेश राज्य मंत्री सुरेश गोपी और यूनेस्को के वरिष्ठ अधिकारी तथा विदेशी प्रतिनिधि उपस्थित थे। उन्होंने बैठक उपस्थित प्रतिनिधियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा, आज भारत गुरु पूर्णिमा का पवित्र पर्व मना रहा है। मैं आप सभी को और सभी देशवासियों को अध्यात्म और ज्ञान के इस पर्व की बधाई देता हूं। ऐसे अहम दिन 46वीं विश्व विरासत समिति की शुरुआत हो रही है और भारत में ये आयोजन पहली बार हो रहा है। सभी देशवासियों को इसकी विशेष खुशी है।

पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को ले जाया गया अस्पताल

चेन्नई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय के एक मामले में यहां की जेल में बंद तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को सीने में दर्द की शिकायत के बाद रविवार को जेल अधिकारियों द्वारा अस्पताल ले जाया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बालाजी ने बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें पुझल केंद्रीय कारागार के अधिकारियों द्वारा सरकारी स्टेनली अस्पताल ले जाया गया।

आईटी सेक्टर में काम के घंटे बढ़ाने की

कर्नाटक सरकार की कथित योजना का कर्मचारी संघ ने विरोध किया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक राज्य आईटी/आईटीईएस कर्मचारी संघ (केआईटीयू) ने सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली सरकार से आईटी/आईटीईएस/बीपीओ क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए काम के घंटे बढ़ाने की अपनी कथित योजना पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। संघ के अनुसार सरकार कर्मचारियों के लिए काम के घंटे बढ़ाकर 14 घंटे प्रतिदिन करने की योजना बना रही है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस संबंध में कर्नाटक दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव हाल ही में श्रम विभाग द्वारा उद्योग के विभिन्न हितधारकों के साथ बुलाई गई बैठक में प्रस्तुत किया गया। संघ ने प्रस्तावित संशोधन का कड़ा विरोध किया, जिसके बारे में उसने (संघ) कहा कि यह किसी भी कर्मचारी के निजी जीवन के मूल अधिकार पर हमला है। संघ ने कहा कि प्रस्तावित नया विधेयक 'कर्नाटक दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) विधेयक 2024' 14 घंटे के कार्य दिवस को सामान्य बनाने का प्रयास करता है, जबकि मौजूदा अधिनियम केवल अधिकतम 10 घंटे प्रति दिन काम की अनुमति देता है, जिसमें ओवरटाइम भी शामिल है।

सरकार की दूध पाउडर आयात करने की कोई योजना नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र की दूध पाउडर आयात करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने साथ ही महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाडी (एमवीए) पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया।

शाह ने पुणे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महाराष्ट्र अधिवेशन में कहा कि एक पुरानी, बिना तारीख वाली अधिसूचना चर्चा में है और एमवीए ने इसका हवाला देते हुए दावा किया है कि सरकार दूध पाउडर आयात करने की योजना बना रही है। शाह के पास गृह और सहकारिता मंत्रालय का प्रभार भी है। उन्होंने कहा, मैं भी भ्रमित हो गया और मैंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को फोन किया, जिन्होंने मुझे बताया कि यह हमारा नहीं बल्कि शरद पवार का फैसला था। भ्रमित मत होइए, यह परिपत्र उनके द्वारा ही जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले दस सालों में एक किलो दूध पाउडर भी आयात नहीं किया गया। अगले पांच सालों में एक ग्राम दूध पाउडर भी आयात नहीं किया जाएगा। ये लोग चुनाव जीतने के लिए फर्जी विमर्श गढ़ना चाहते हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

देश राग

यह देश रहा गुरु अखिल विश्व का,
वैदिक मंत्र ऋचाओं का।
शरणागत वत्सल रहा सदा,
समरसता भरी पनाहों का।
हर धर्म जाति का उन्नायक,
खेतों नदियों और गाँवों का।
पर आज देख कर यूं लगता,
यह रह गया सिर्फ चुनावों का।।

बांग्लादेश पर ममता का बयान अनधिकृत : केन्द्र

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने बांग्लादेश में हो रहे सत्ता विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के कारण बंगलादेशियों को पश्चिम बंगाल में शरण देने संबंधी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान को अनधिकृत और गलत बताते हुए रविवार को खारिज कर दिया।

सरकारी सूत्रों ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर कहा,ये ऐसे मामले हैं जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित किया जाता है। राज्य सरकार के पास इस मुद्दे पर कोई अधिकार नहीं है और इस तरह उनकी टिप्पणियां पूरी तरह से गलत हैं।

उल्लेखनीय है सुश्री बनर्जी ने कोलकाता में एक रैली में कहा कि बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर पड़ोसी देश के लोगों को वह शरण देंगी। बांग्लादेश के लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले हैं। सुश्री बनर्जी के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। भाजपा में पश्चिम बंगाल के सह प्रभारी एवं आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि पड़ोसी देश या किसी दूसरे देश से आने वाले व्यक्ति को भारत में आश्रय देने का सुश्री बनर्जी को कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि बाहरी लोगों को शरण देने, उन्हें बसाने एवं नागरिकता देने का अधिकार केवल केंद्र सरकार को है।

मंत्र दीक्षा एवं तेरापंथ स्थापना दिवस पर उमड़े श्रद्धालु

तेयुप विजयनगर और आरआर नगर का संयुक्त आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेयुप विजयनगर व आरआरनगर के संयुक्त तत्वावधान में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में मंत्र दीक्षा कार्यशाला का आयोजन हुआ। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने 9 वर्ष में प्रवेश कर रहे ज्ञानार्थी बच्चों को मंत्र दीक्षा का संकल्प करवाया। साध्वीश्री ने सरलता से नमस्कार महामंत्र की महिमा पर प्रवचन देते हुए बताया कि नमस्कार महामंत्र में सद्गुणों को वंदन किया गया है। नमस्कार महामंत्र महाचमत्कारी मंत्र है। मंत्र दीक्षा ले रहे सभी को 21 बार रोज जप करने का संकल्प करवाया। संस्कारित जीवन जीने के लिए मंत्र दीक्षा के अन्य संकल्प भी करवाए और समझाएं। साध्वीश्री जी ने उपस्थित सभी अभिभावक जन से अपने बच्चों को संस्कारित करने के लिए ज्ञानशाला भेजने के लिए प्रेरित किया। साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी ने तेरापंथ स्थापना दिवस पर आचार्य भिक्षु के सिद्धांतो पर विचार रखें। साध्वीश्री मलययशाजी,आस्थाप्रभाजी व दीक्षाप्रभा जी ने गीत का संगान किया।

इस मौके पर 265वें तेरापंथ स्थापना दिवस पर सभा द्वारा रैली का आयोजन किया गय जो आरपीसी लेआउटसे प्रारंभ होकर अर्हम भवन पहुंच कर सभा में परिवर्तित हो गई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अणुव्रत विश्व भारती के संगठन मंत्री राजेश चावत ने किया। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, आरआर नगर अध्यक्ष बिकास छाजेड़ ने सबका स्वागत किया। ज्ञानशाला आंचलिक प्रभारी माणक संचेती, परिषद् प्रभारी रोहित कोठारी ने शुभकामना दी। विजयनगर, कामाक्षीपाल्या, डिविनिटी, आरआर नगर, केंगेरी ज्ञानशाला के बच्चों ने रोचक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अभातेयुप परामर्शक विमल कटारिया, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, आरआर नगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, विजयनगर महिलामंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, आरआर नगर अध्यक्षा सुमन पटावरी, तेयुप विजयनगर पूर्व अध्यक्ष राकेश पोखरणा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया, अशोक मारू, सह मंत्री पवन बैद सहित अनेक पदाधिकारी सहित लगभग 240 बच्चें उपस्थित थे। मंत्र दीक्षा संयोजक देवांग बैद, करण मांडोत, ज्ञानशाला प्रशिक्षिका ममता मांडोत, टीना मांडोत, सुनीता पटावरी, प्रिया छाजेड़, पूनम जैन एवं ज्ञानशाला टीम का विशेष श्रम रहा। आभार आरआर नगर मंत्री सुपार्श्व पटावरी ने किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री संजय भटेवरा ने किया।

स्वास्थ्य शिविर व सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजय संभव फाउंडेशन ने बोम्मनहल्ली के सरकारी स्कूल में स्वास्थ्य जांच व नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया, जिसमें 250 से अधिक छात्रों, शिक्षण और सहयोगी स्टाफ की जांच की गई तथा जरूरतमंदों को चश्मे प्रदान किए जाएंगे। फाउंडेशन ने इसी संस्था को स्कूल बेंच और डेस्क भेंट किए। इसके अतिरिक्त नए शैक्षणिक वर्ष में दाखिला लेने वाले छात्रों को अध्ययन किट भी दिए गए।

गुरुपूर्णिमा कर आयोजित हुआ गुरु इकतीसा का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने मुनिश्री मलयप्रभसागरजी एवं गुरूवर्याश्री प्रियस्वर्णांजनाश्री जी की प्रेरणा से गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर दादागुरु देव इकतीसा सामूहिक पाठ एवं गुरु प्रसादी का आयोजन मागड़ी रोड जैन मंदिर में हुआ। युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना ने श्री सुमतिनाथ ट्रस्ट मंडल एवं लाभार्थी परिवार व सामूहिक गुरु इकतीसा में पधारे सभी गुरुभक्तों का धन्यवाद दिया। मंत्री विकाश खटोड़ ने बताय कि इस कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था विकाश पारख, हेमंत गोलेच्छा ने संभाली।

सादगी, सरलता, विनयशीलता, कर्मठता की प्रतिमूर्ति थे गुरु चम्पालाल : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि खींचन ने गुरु पूर्णिमा प्रसंग पर अपने उपकारी गुरुदेव चंपालालजी महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि उनके जीवन का हर पल प्रेरणा प्रद रहता था। उनकी सादगी, सरलता, विनयशीलता, कर्मठता बेजोड़ थी। उनके साथ जिया हर दिन आज भी ऊर्जा प्रदान करता हैं। आवश्यक सूत्र पर प्रवचन श्रृंखला प्रारंभ करते हुए मुनि श्री ने कहा कि आचार के विरुद्ध जो जीवन जिया, उसके प्रायश्चित हेतु आवश्यक सूत्र हैं्। हम पढ़ें, समझें और फिर आचरण करें। घर का काम स्वयं करने से अहिंसा पुष्ट होती हैं्। छोटे छोटे जीवों की रक्षा हम अपने विवेक से कर सकते हैं। धर्म कम करेंगे तो चलेगा किंतु हिंसा से बचना जरूरी हैं।

विनयमुनिजी ने कहा कि प्राकृतिक पर्यावरण के साथ आत्मीय पर्यावरण का भी महत्व है। तामसिक भाव आत्मा का पर्यावरण बिगाड़ते हैं्। सात्विक भाव में धर्म ठहरता हैं्। राजसी भाव अहम पैदा करता है और नरक गति का मार्ग प्रशस्त करता है। राजु सकलेचा ने संचालन करते हुए स्वागत किया।

महालक्ष्मी लेआउट जैन मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर हुआ प्रभु अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट जैन मंदिर में गुरु पूर्णिमा के मौके पर साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी व ज्ञानदर्शाजी की निश्रा में परमात्मा श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दादा का विभिन्न रत्नों व औषधियों से महाभिषेक किया गया। अभिषेक में संघ के श्रावक श्राविकाओं ने नाच गाकर अभिषेक में भाग लिया। धनंजय गुरु जी ने विधि पूर्ण रुप से अभिषेक संपन्न करवाया।

तत्पश्चात साध्वीश्री ने प्रवचन में गुरु की महिमा बताते हुए परमात्मा के अभिषेक का महत्व समझाया। इस मौके पर नरेश बंबोरी, बाबूलाल बंबोरी, चेतन झारमुथा, विनोद भंसाली, राकेश दांतेवाड़िया, पंकज गांधी, जवाहर रम्मानी, दिनेश छाजेड़, विनीत सुरेश दक, मनीष चावत, महावीर बडेरा, प्रकाश गन्ना आदि श्रद्धालु उपस्थित थे ।

गुरु पूर्णिमा पर आयोजित किया गया अखंड दुर्गा चालीसा का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के भगवती मानव कल्याण संगठन की बेंगलूरु शाखा द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मेडाहल्ली स्थित कृपानिधि निवास पर पांच घंटे का अखंड दुर्गा चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। दुर्गा चालीसा पाठ टीम प्रमुख सुमन यादव द्वारा दुर्गा चालीसा का प्रारंभ किया गया तथा मां के जयकारे व भजन गाए गए। संगठन के सचिव लवकेश सिंह दिखित ने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली है जो हमें परमहंस योगीराजश्री शक्तिपुत्रजी महाराज के रूप में गुरु प्राप्त हुए हैं, उन्होंने कहानी किस्से ना सुनाते हुए आत्मा और परमात्मा का ज्ञान दिया है।

उनका कहना है कि इस अखिल ब्रह्मांड कि वास्तव में गुरु माता आदि शक्ति जगत जननी जगदंबा है, उन्हीं की प्रेरणा से मानव को नवीन कार्य करने के विचार प्राप्त होते हैं, इसलिए गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शक्तिपुत्रजी महाराज के निर्देशन में भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा पूरे देश में लाखों स्थान पर श्री दुर्गा चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आए हुए मां के भक्तों की प्रसाद की व्यवस्था हेमा द्वारा की गई। कार्यक्रम में प्रमुख सहयोगी दीपू कुमार, ऋषभ, संजयसिंह, रानी पांडे आदि अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

शरद पवार भ्रष्टाचार के सरगना हैं, उद्धव 'औरंगजेब फैन क्लब' के प्रमुखः अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर तीखा हमला किया और उन्हें देश में भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया।

पुणे में भाजपा के राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 2024 के लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद अहंकार प्रदर्शित करने का आरोप लगाया। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को 'औरंगजेब फैन क्लब' का प्रमुख करार दिया और कहा कि वह 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगने वाले लोगों के साथ बैठे हैं। शाह ने कहा कि भाजपा नीत महायुति महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 2014 और 2019 के चुनावों से बेहतर प्रदर्शन करेगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पुणे में कहा, ''शरद पवार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया।'' उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने हाल के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर अपनी मुहर लगाई है। शाह ने कहा, ''महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव में हमारी जीत के बाद राहुल गांधी का अहंकार चूर-चूर हो जाएगा।''

अग्निवीरों को सरकारी विभागों में आरक्षण देने पर विचार कर रही उत्तराखंड सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड सरकार सेना में चार साल का कार्यकाल पूरा कर लौटने वाले अग्निवीरों को पुलिस तथा अन्य सरकारी विभागों में समायोजित करने के लिए आरक्षण देने पर विचार कर रही है।

यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर इस संबंध में एक ठोस कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसमें पुलिस व अन्य सरकारी विभागों में अग्निवीरों को आरक्षण देने का प्रस्ताव शामिल है।

इसके अलावा, देश सेवा कर लौटने वाले अग्निवीरों के सुरक्षित भविष्य के लिए उन्हें कई क्षेत्रों में रोजगार संबंधित प्रशिक्षण देने के वास्ते कौशल विकास योजना भी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस संबंध में जल्द से जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं । उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ऐसा प्रदेश है जहां के युवा बड़े पैमाने पर भारतीय सेना में भर्ती होते हैं, लिहाजा, सेना में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद अग्निवीरों को नियोजित करने में राज्य सरकार अपनी तरफ से कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार चाहती है कि सेना में चार साल पूरे होने के बाद भी अग्निवीरों को राज्य में नौकरी व रोजगार के भरपूर अवसर मिलें।

ब्रज मंडल यात्रा से पहले हरियाणा के नूंह में इंटरनेट, एसएमएस सेवा 24 घंटे के लिए स्थगित

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा सरकार ने ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा से पहले नूंह जिले में मोबाइल इंटरनेट और एक साथ कई लोगों को एसएमएस भेजने की सेवाओं को 24 घंटे के लिए स्थगित करने का रविवार को आदेश दिया। पिछले साल इस यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी। हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अनुराग रस्तोगी के आदेश के अनुसार, जिले में इंटरनेट सेवा रविवार शाम 6 बजे से सोमवार शाम छह बजे तक स्थगित रहेगी। हरियाणा के अतिरिक्त डीजीपी-सीआईडी और एक उपायुक्त के 'फीडबैक' पर जारी आदेश में कहा है, ''नूंह जिले में तनाव, गड़बड़ी, आंदोलन, सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सार्वजनिक शांति तथा सौहार्द बिगाड़ने की आशंका है।'' आदेश व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर आदि जैसे सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से ''गलत सूचना और अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए'' दिया है।

सरकार ने मुफ्त इंटरनेट का अधिकार देने वाले निजी विधेयक पर विचार को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने देश के पिछड़े और दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों तक समान पहुंच सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक नागरिक को मुफ्त इंटरनेट का अधिकार देने वाले एक निजी विधेयक पर विचार को मंजूरी दे दी है।

इस विधेयक में प्रस्ताव किया गया है, इंटरनेट सुविधाओं तक पहुंच को रोकने में किसी भी नागरिक के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क या खर्च का भुगतान बाध्यकारी नहीं होगा।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) के सदस्य वी शिवदासन द्वारा दिसंबर 2023 में राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया गया था। संसद के ऊपरी सदन द्वारा जारी एक बुलेटिन के अनुसार, दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्यसभा महासचिव को सूचित किया है कि राष्ट्रपति ने सदन को विधेयक पर विचार करने की सिफारिश की है। सरकारी खजाने से खर्च वाले निजी सदस्यों के विधेयकों को संबंधित मंत्रालय के माध्यम से राष्ट्रपति की अनुमति की आवश्यकता होती है कि क्या ऐसे विधेयकों पर सदन द्वारा विचार किया जा सकता है।

एयरबस ने भारत में एच125 हेलीकॉप्टर की अंतिम निर्माण शृंखला के लिए आठ स्थानों की छंटनी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैरिग्नेन (फ्रांस)/भाषा। यूरोप की प्रमुख कंपनी एयरबस ने एच125 हेलीकॉप्टरों के लिए अपनी अंतिम निर्माण श्रृंखला स्थापित करने के लिए भारत में आठ स्थानों की छंटनी की है। इस संयंत्र के लिए शिलान्यास समारोह इस साल के अंत में होने की उम्मीद है।

एयरबस के अधिकारियों ने कहा कि यह संयंत्र एक इंजन वाले एच125 के लिए चौथी और अंतिम निर्माण श्रृंखला (एफएएल) होगा। यहां शुरू में सालाना 10 हेलीकॉप्टरों का उत्पादन होगा और बाजार की मांग के आधार पर क्षमता बढ़ाई जाएगी।

एयरबस हेलीकॉप्टर्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष (वैश्विक व्यवसाय) ओलिवियर मिशेलन ने कहा, ''भारत हेलीकॉप्टरों के लिए भविष्य का बाजार है... इस समय बाजार बेहद शुरुआती अवस्था में है, और यह संभावित क्षमता की तुलना में बहुत छोटा है।'' एफएएल के लिए भूमिपूजन समारोह इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है और यह संयंत्र 2026 में चालू हो जाएगा तथा 2026 के अंत में हेलीकॉप्टर तैयार होने लगेंगे। उन्होंने कहा, ''हमने आठ स्थानों की पहचान की है, जिनका हम इस समय मूल्यांकन कर रहे हैं। हम अभी भी मूल्यांकन के अंतिम चरण में हैं। हम जल्द ही इसकी घोषणा कर सकते हैं।'' एयरबस के लिए, एच125 भारत के साथ ही दक्षिण एशिया क्षेत्र में सबसे अधिक बिकने वाला हेलीकॉप्टर है।

एयरबस ने अगले 20 वर्षों में भारत और पड़ोसी देशों में ए125 हेलीकॉप्टरों की मांग 500 तक होने का अनुमान लगाया है। भारत और दक्षिण एशिया में एयरबस हेलीकॉप्टर के प्रमुख सनी गुगलानी ने कहा, ''हम हर साल 10 हेलीकॉप्टरों का लक्ष्य बना रहे हैं और जैसे-जैसे मांग बढ़ेगी, हम इसे बढ़ा सकते हैं।'' मिशेलन ने जोर देकर कहा कि 10 की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है और बाजार की मांग के आधार पर कुछ वर्षों में यह 20, 30 या 50 हो सकती है।

बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के कारण भारत से व्यापार ठप

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में जारी विरोध प्रदर्शनों के कारण मालवाहक ट्रकों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस कारण भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि बंदरगाहों के जरिए कारोबार रविवार को ठप हो गया। पेट्रापोल भूमि बंदरगाह का बांग्लादेश वाला हिस्सा अभी भी बंद है। भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि आधारित व्यापार का लगभग एक तिहाई हिस्सा पेट्रापोल के जरिए होता है। पश्चिम बंगाल निर्यातक समन्वय समिति के सचिव उज्ज्वल साहा ने कहा, अशांति के कारण सरकार द्वारा आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अवकाश की घोषणा के बाद पेट्रापोल, गोजाडांगा, फुलबारी और महादिपुर सहित बांग्लादेश के अन्य स्थलीय बंदरगाहों से भी व्यापार ठप्प हो गया है, क्योंकि बांग्लादेशी सीमा शुल्क विभाग ने रविवार से दो दिन की छुट्टी की घोषणा की है।

नीट-यूजी से संबंधित याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय में आज सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय सोमवार को विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। यह परीक्षा पांच मई को आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा के शहर और केंद्रवार परिणाम जारी किए थे। इसमें पेपर लीक और असामान्य अंक मिलने के आरोप हैं।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर 22 जुलाई की अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इनमें एनटीए द्वारा दायर याचिकाएं भी शामिल हैं। उसकी याचिकाओं में मुकदमों की अधिकता से बचने के लिए नीट-यूजी विवाद पर विभिन्न उच्च न्यायालयों में उसके खिलाफ लंबित मामलों को उच्चतम न्यायालय में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है।

एनटीए द्वारा जारी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं से कथित तौर पर लाभान्वित होने वाले उम्मीदवारों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि कुछ केंद्रों पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों की संख्या अधिक थी। यह डेटा 4,750 केंद्रों के 32 लाख से अधिक उम्मीदवारों का था।

उच्चतम न्यायालय इसमें कथित अनियमितताओं को लेकर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है और उसी के निर्देश पर डेटा जारी किया गया था। लाखों अभ्यर्थी परीक्षा पर न्यायालय के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे हैं। जांच के दायरे में आए केंद्रों के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी खराब था। शीर्ष अदालत ने 11 जुलाई को परीक्षा रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और नीट-यूजी 2024 के आयोजन में कथित गड़बड़ी की जांच की मांग वाली याचिकाओं सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी थी, क्योंकि कुछ पक्षों को केंद्र और एनटीए के जवाब अभी तक नहीं मिले हैं।

पीठ ने कहा कि उसे जांच में हुई प्रगति पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से स्थिति रिपोर्ट प्राप्त हुई है। शीर्ष अदालत ने आठ जुलाई को याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा था कि नीट-यूजी 2024 की शुचिता का उल्लंघन किया गया है। पीठ ने कहा कि यदि पूरी प्रक्रिया प्रभावित हुई है तो दोबारा परीक्षा का आदेश दिया जा सकता है। यह परीक्षा पांच मई को 571 शहरों के 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी जिनमें 14 विदेशी शहर भी थे। इसमें 23.33 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

तेदेपा विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को 'नजरअंदाज' कर रही: वाईएसआरसीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा)और विपक्षी वाईएसआरसीपी के नेताओं के बीच राज्य और उसके हितों के लिए विशेष दर्जे के मुद्दे पर संसद के बजट सत्र से पहले तीखी नोकझोंक हुई। जगन मोहन की पार्टी ने तेदेपा पर आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिये जाने की मांग को 'नजरअंदाज' करने का आरोप लगाया। सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है और 12 अगस्त तक इसमें 19 बैठकें होंगी। सत्र की पूर्व संध्या पर केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा यहां बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी ने तेदेपा पर आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा दिये जाने के मुद्दे की अनदेखी करने और राज्य के हितों से समझौता करने का आरोप लगाया।

भाजपा की सहयोगी तेदेपा ने आंध्र प्रदेश के वित्तीय संकट के लिए पिछली जगन मोहन रेड्डी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए पलटवार किया और कहा कि एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार एक या दो दिन में राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र पेश करेगी जिसे देखकर लोगों को 'झटका' लगेगा। बैठक में मौजूद रहे कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तेदेपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) और वाईएसआरसीपी ने क्रमशः बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की, लेकिन 'अजीब बात' है कि तेदेपा इस मामले में चुप रही। तेदेपा की तरह जदयू भी भाजपा की सहयोगी पार्टी है और केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का हिस्सा है। सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी द्वारा उठाए गए मुद्दों पर संवाददाताओं को जानकारी देते हुए राज्यसभा में पार्टी के नेता विजयसाई रेड्डी ने कहा कि वाईएसआरसीपी ने तेदेपा की कुछ हफ्ते पुरानी सरकार में राज्य की कानून-व्यवस्था के 'खराब होने' पर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की।

केन्द्रीय मंत्री से बेत्ताहलासूर के सर्वांगीण विकास की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य भाजपा सचिव तमेश गौड़ा के नेतृत्व में, बेट्टाहलासुर ग्राम पंचायत के नए अध्यक्ष ने पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री और बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र की सांसद कु.शोभा करंदलाजे को एक ज्ञापन सौंपा गया। बेट्टाहलासुर गांव से कुद्रेगेरे गांव तक सड़क पर रेलवे अंडरपास के निर्माण के संबंध में बेट्टाहलासुर ग्राम पंचायत के विकास कार्यों के लिए सांसद द्वारा विशेष अनुदान जारी करने का अनुरोध किया गया था।

सुग्गट्टा गांव से गंतीगनहल्ली गांव तक जहां पहले सड़क और रेलवे गेट था, वहां एक अंडरपास बनाने और बेट्टाहलासूर ग्राम पंचायत के अंतर्गत सर एम.वी.आई.टी कॉलेज की टर्निंग रोड पर एक स्काईवॉकर बनाने का अनुरोध किया गया था। ग्राम स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर की नियुक्ति हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरीश, नगर मंडल अध्यक्ष कृष्णमूर्ति, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष हनुमंते गौड़ा, युवा मोर्चा के राज्य सचिव दीपक, सुब्बू, मधुसूदन, रवि, श्रीकांतमूर्ति और जिले के महत्वपूर्ण नेता, पार्टी पदाधिकारी, बेट्टाहलासुर ग्राम पंचायत अध्यक्ष हेमवती नागराज बाबू , पूर्व अध्यक्ष अनिल कुमार, सर्वा सदस्य, पार्टी के प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

हर कोई जानता है कि भ्रष्टाचार का ब्रह्मा कौन है : बसवराज बोम्मई

राजनीतिक नफरत के लिए मुख्यमंत्री की शक्ति का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वाल्मिकी निगम घोटाले में पूरी सरकार शामिल है और अगर पूरी जांच हुई तो बीजेपी पर इसका बचाव करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना पड़ेगा। वे जो भी जांच करेंगे हम उसका सामना करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि राजनीतिक नफरत के लिए सत्ता का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

आज मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वाल्मिकी निगम घोटाले में पूरी सरकार शामिल है। पता चला कि इसका पैसा चुनावी राजनीति और बीयर खरीद में गया है। उन्होंने 21 घोटाला बीजेपी के कार्यकाल में होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अगर इसकी पूरी जांच होगी तो मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना पड़ेगा। अब उनकी आंखें खुल रही हैं कि भाजपा के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हुआ है। वह सत्ता में है। हम किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जांच के नाम पर अधिकार का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए और उनके द्वारा लगाए गए आरोपों का दस्तावेज दिया जाना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर लगे आरोप में मैं एपीएमसी मंत्री नहीं था, तब मैं गृह मंत्री था, मैंने एपीएमसी मामले की जांच की और बैंक से 48 करोड़ रुपये साथ ही ब्याज सहित 52 करोड़ रुपये की वसूली की गयी। जब बॉवी कॉर्पोरेशन में घोटाला हुआ तो हमने इसे जांच के लिए सीआईडी को सौंप दिया। इसकी जांच चल रही है. जब गंगा कल्याण योजना में गड़बड़ी का आरोप लगा तो मैंने स्वयं सदन में सीआइडी जांच के लिए आवेदन दिया। इसकी जांच पूरी हो चुकी है. उन्होंने हम पर 40 प्रतिशत का आरोप लगाया। अभी तक किसी अधिकारी या ठेकेदार को कोई नोटिस नहीं दिया गया है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि अगर राजनीतिक मंशा से आयोग बनाया गया है, जांच करायी गयी तो यही होगा।

आज वाल्मिकी निगम अकेला नहीं है, सभी विभागों में घोटाले सामने आ रहे हैं, कोमुल से लेकर पर्यटन विभाग तक घोटाले सामने आ रहे हैं। कांग्रेस का मतलब है भ्रष्टाचार। आजादी के बाद कांग्रेस ने भ्रष्टाचार पैदा किया। वे जो भी जांच करेंगे हम उसका सामना करेंगे।' हम ये नहीं पूछते कि ईडी उनके जैसी क्यों है, सीबीआई क्यों आई। हम उनकी तरह डरपोक नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि अगर अपने ऊपर लगे आरोपों से बचने के लिए पुलिस विभाग का दुरुपयोग किया जाएगा तो वह घोटाला भी जल्द सामने आएगा। वहीं, राज्य में बाढ़ के बावजूद मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं करने के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि इस सरकार ने सूखे और बाढ़ के मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया है। इस सरकार का सुशासन देने का कोई इरादा नहीं है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन पर हमेशा लोगों को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

वेदांता को कर्नाटक, बिहार में दो महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड को कर्नाटक और बिहार में दो महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक मिले हैं, जिन्हें बिक्री के लिए रखा गया था। कंपनी ने रविवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, कंपनी को गोलाराहट्टी-मल्लेनहल्ली निकेल क्रोमियम और पीजीई ब्लॉक तथा जेनजाना निकेल, क्रोमियम और पीजीई ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता घोषित किया गया है।

खान मंत्रालय ने कर्नाटक में गोल्लाराहट्टी-मल्लेनहल्ली निकेल क्रोमियम और पीजीई ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा है, जो अन्वेषण के जी4 स्तर पर है, तथा बिहार में जेनजाना निकेल-क्रोमियम और पीजीई ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा है, जो अन्वेषण के जी3 स्तर पर है। किसी भी खनिज भंडार के अन्वेषण में चार चरण शामिल होते हैं - सर्वेक्षण (जी4), प्रारंभिक अन्वेषण (जी3), सामान्य अन्वेषण (जी2) और विस्तृत अन्वेषण (जी1)। इनमें से एक ब्लॉक को महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी के दूसरे दौर में बिक्री के लिए रखा गया था, जबकि दूसरे ब्लॉक को तीसरे दौर में नीलामी के लिए रखा गया था।

गुरुपूर्णिमा

रविवार को बेंगलूरु के जेपी नगर में स्थित श्री सत्य गणपति शिरडी साईं ट्रस्ट में गुरु पूर्णिमा समारोह में भाग लेते भक्तगण।

रविवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला तालुका के शिरूर में बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

मुख्यमंत्री ने बारिश के कारण हुए नुकसान की तत्काल क्षति रिपोर्ट देने की बात कही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कारवार। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बारिश के कारण कृषि और बागवानी फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए एनडीआरएफ के मानदंडों के अनुसार क्षति रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शिरुरू भूस्खलन स्थल का निरीक्षण करने के बाद सचिवों और जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान ये निर्देश दिए। उन्होंने कदरा बांध से छोड़े गए पानी से प्रभावित पीड़ितों को स्थायी राहत प्रदान करने पर अंतिम निर्णय लिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने वर्षा आपदा एवं बाढ़ के कारण हुई जनहानि के लिए दिए गए मुआवजे की जानकारी प्राप्त की तथा शेष मुआवजा शीघ्र वितरित किए जाने पर बल दिया। उन्होंने तटीय रेखा के किनारे बिजली के खंभे लगाने और आवश्यकतानुसार तारों की मरम्मत या प्रतिस्थापन का भी सुझाव दिया।

हाईवे का काम पूरा हुए बिना टोल वसूली पर निराशा जताते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा, जिले में नेशनल हाईवे का काम पूरा हुए बिना टोल क्यों वसूल रहे हो? यह ठीक नहीं है। इस बारे में केंद्रीय राजमार्ग मंत्री को कड़ा पत्र लिखने की बात सिद्दरामय्या ने कही। उन्होंने कहा कि यह कार्य 2016 तक पूरा होना था, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इससे न केवल केंद्रीय मंत्री को गुमराह किया जा रहा है, बल्कि राज्य सरकार को भी गलत जानकारी दी जा रही है।

हम यहां सिर्फ आपकी बातें सुनने के लिए नहीं हैं। अगले कुछ दिनों में जिले में बारिश होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को भूस्खलन सहित किसी भी तरह के खतरे से बचने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। जिले के खतरनाक इलाकों में ग्राम स्तरीय टास्क फोर्स कमेटियां बनाई जाएं, जो वहां की स्थिति से जिला प्रशासन को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि जिले के सभी अधिकारी जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर जनता का विश्वास जीतने का काम करें।

बैठक में राजस्व मंत्री कृष्ण बायर गौड़ा, सार्वजनिक निर्माण मंत्री सतीश जराकीहोली, प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष आरवी देशपांडे, जिला प्रभारी मंत्री मानकाला वैद्य, विधायक सतीश सईल, शिवराम हेब्बार, भीमन्ना नाइक, सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव व विकास आयुक्त शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्यमंत्री सचिव अतीक, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की प्रधान सचिव रश्मि, जिला प्रभारी सचिव रितेश कुमार सिंह, उपायुक्त लक्ष्मी प्रिया, जिला परिषद के सीईओ ईश्वर कुमार कंडू, एसपी नारायण सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पीड़िता से शादी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो मामला खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूर के उस व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है, जिसने 18 वर्षीय लड़की का उस समय कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया जब वह नाबालिग थी। अदालत ने उनकी शादी और उनके विवाह प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के बाद 23 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि यदि आरोपी मामले के बंद होने के बाद लड़की और उसके बच्चे को छोड़ देता है तो यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) मामले के तहत फिर से कार्रवाई शुरू की जा सकती है। अदालत ने पहले आरोपी को पीड़िता से शादी करने (उसके 18 वर्ष की आयु के होने के बाद) के लिए अंतरिम जमानत दी थी। घटना दो फरवरी 2023 की है, जब आरोपी स्कूल जा रही लड़की को एक सुनसान जगह पर ले गया और उसका कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। बाद में लड़की ने एक बच्चे को जन्म दिया। दोनों पक्षों - आरोपी और पीड़िता ने कहा कि वे एक-दूसरे से प्यार करते थे, लेकिन उन्हें माता-पिता के विरोध का सामना करना पड़ा। आरोपी की पीड़िता से विवाह करने की इच्छा को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही बंद करने का अनुरोध किया गया था।

बसपा नेता आर्मस्ट्रांग की हत्या के मामले में एक और व्यक्ति गिरफ्तार

चेन्नई। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के आरोप में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। 'ग्रेटर चेन्नई पुलिस' ने बताया कि जांच के तहत इस मामले में 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और पूछताछ के दौरान एक आरोपी अरुल ने खुलासा किया कि उसने आरोपियों के मोबाइल फोन नष्ट करने के लिए 37 वर्षीय के. हरिधरन को सौंपे थे।

पेशे से वकील हरिधरन पड़ोसी तिरुवल्लूर जिले के कदंबत्तूर में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) यूनियन कमेटी का सदस्य है। पुलिस की ओर से रविवार को जारी बयान के अनुसार, अरुल ने पुलिस कर्मियों को बताया कि हरिधरन ने छह मोबाइल फोन इकट्ठा करने के बाद उन्हें वेंगाथुर में कोसस्थलाई नदी में फेंक दिया था।

पुलिस ने बताया कि हरिधरन को गिरफ्तार कर लिया गया है और अग्निशमन एवं बचाव और पुलिस विभागों के विशेष दलों ने छह में से तीन मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। शेष फोन का पता लगाने के लिए तलाश अभियान जारी है। आर्मस्ट्रांग (52) की पांच जुलाई को यहां पेरम्बूर स्थित उनके घर के पास मोटरसाइकिल पर सवार छह लोगों ने हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार, अगस्त 2023 में कुख्यात अपराधी आर्कोट' सुरेश की हत्या का बदला लेने के लिए आर्मस्ट्रांग की हत्या की गई।

शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को जन्मदिन की बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि सामाजिक न्याय और हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। खरगे रविवार को 82 साल के हो गए। वह अक्टूबर 2022 में कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। डीके शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके समृद्ध अनुभव और कुशल नेतृत्व कांग्रेस पार्टी के विकास और सफलता में सहायक रहा है।

टीबी जयचंद्र को मानद डॉक्टरेट उपाधि

रविवार को चिक्कबल्लापुर जिले के मुद्देनहल्ली स्थित श्री सत्य साईं प्रेमामृत हॉल में आयोजित सत्य साईं ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के वार्षिक दीक्षांत समारोह में कर्नाटक सरकार के दिल्ली के विशेष प्रतिनिधि और शिरा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक टीबी जयचंद्र को केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरिदीप सिंह पुरी से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त की। इस अवसर पर सत्य साईं ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक सद्गुरु मधुसूदन साईं स्वामीजी, चांसलर नरसिम्हा मूर्ति, वाइस चांसलर श्रीकांत मूर्ति उपस्थित थे।

केरल में निपाह वायरस से संक्रमित एक लड़के की मौत : जॉर्ज

कोझिकोड/दक्षिण भारत । केरल के मलप्पुरम में निपाह वायरस से संक्रमित 14 वर्षीय एक लड़के की रविवार को मौत हो गई। उसका यहां इलाज किया जा रहा था। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने यह जानकारी दी। जॉर्ज ने बताया कि यह लड़का पांडिक्कड़ से था और रविवार सुबह 10.50 बजे उसे दिल का दौरा पड़ा, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। जॉर्ज ने कहा, वह बेहोश था और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। दिल का दौरा पड़ने के बाद उसे बचाने का बहुत प्रयास किया गया, लेकिन सभी प्रयास विफल रहे और पूर्वाह्न 11.30 बजे उसकी मौत हो गई।

मंत्री ने कहा कि उसका अंतिम संस्कार अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुरूप किया जाएगा। जॉर्ज ने कहा, जिलाधिकारी लड़के के माता-पिता और परिवार के साथ चर्चा करेंगे और उसके बाद ही अंतिम संस्कार के बारे में कोई फैसला किया जाएगा।

स्वास्थ मंत्री ने कहा कि वर्तमान में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में तीन लोग पृथकवास में हैं। इसी अस्पताल में लड़के का इलाज किया जा रहा था।

मंत्री ने कहा, ''मंजेरी मेडिकल कॉलेज में उच्च जोखिम श्रेणी के चार लोग भर्ती हैं, जिनमें से एक व्यक्ति आईसीयू में है।'' उन्होंने कहा कि मरीजों के नमूनों की जांच रिपोर्ट आज आ जाएगी। मंत्री ने बताया कि लड़का 11 मई को स्कूल गया था, लेकिन अभी तक लक्षण वाले मरीजों के ज्यादा मामले सामने नहीं आए हैं।

जॉर्ज ने कहा, 'हम उच्च जोखिम वाली श्रेणी में आए सभी लोगों की जांच करेंगे, लेकिन पहले उन लोगों की जांच की जाएगी, जिनमें लक्षण दिखाई दे रहे हैं। राज्य में प्रयोगशालाएं हैं और पुणे एनआईवी से एक मोबाइल प्रयोगशाला राज्य में आ रही है।' स्वास्थ्य विभाग ने महामारी के केंद्र पांडिक्कड़ सहित दो पंचायतों में बुखार के मामलों की निगरानी करने का भी निर्णय लिया है और इसके अंतर्गत लगभग 33,000 घरों का सर्वेक्षण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर बड़ा हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना, गुरूओं का लिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरू पूर्णिमा के पर्व पर उपखण्ड सेवर के लुधावई गांव स्थित बड़ा हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर महंत रामदास का सत्कार कर गुरू पूर्णिमा पर आर्शीवाद लिया।

मुख्यमंत्री ने सहपरिवार लुधावई के बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गुरू पर्व पर संतों का आर्शीवाद लिया तथा मंदिर में विशेष अराधना कर देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर महंत रामदास से चर्चा कर मंदिर के विकास के बारे जानकारी ली। उन्होंने क्षेत्र में कराये जा रहे विकास कार्यो एवं राज्य सरकार द्वारा बजट में भरतपुर सहित प्रदेश के प्रमुख मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के संरक्षण हेतु किये गये प्रावधानों के बारे में चर्चा की। इस

अवसर पर विधायक वैर बहादुर सिंह कोली, विधायक कामां नौक्षम चौधरी, एडवोकेट मनोज भारद्वाज सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भरतपुर आगमन पर बांसी स्थित पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में हैलीपेड पर प्रशासनिक, पुलिस अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर अगवानी की। इस अवसर पर सम्भागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव, जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, यूआईटी सचिव ऋषभ मण्डल, डीएफओ मानस सिंह, आयुक्त नगर निगम रिछपाल सिंह बुरडक, अतिरिक्त कलक्टर शहर श्वेता यादव सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों में एडवोकेट मनोज भारद्वाज, गोवर्धन सिंह, सत्येन्द्र पाराशर, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष रूपेन्द्र सिंह, मोहन रारह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांसी पुलिस प्रशिक्षण स्कूल हैलीपेड पर आमजन से मुलाकात कर उनके हालचाल जाने तथा आत्मीयता से मिलकर गुरू पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने प्रत्येक नागरिक से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा जनसुनवाई करते हुए परिवाद प्राप्त किये। आमजन ने राज्य सरकार द्वारा भरतपुर एवं डीग जिले में विकास के लिए की गई बजट घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने भी सभी नागरिकों से आत्मीयता से मिलकर क्षेत्र के विकास में किये गये प्रावधानों को सतत जारी रखने का आश्वासन दिया।

करंट की चपेट में आने से सास-बहू की मौत

जयपुर। राजस्थान के गंगापुर सिटी जिले के बामनवास थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात 11 केवी लाईन के तार की चपेट में आने से करंट लगने से एक बुजुर्ग महिला और उसकी बहू की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि पांच्या की ढाणी में बीती रात 11 केवी लाइन का तार टूटकर गिर जाने से खेत में काम कर रही मनभर देवी मीणा (60) और उनकी बहू सीमा मीणा (34) की करंट लगने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि तार की चपेट में आने से खेत में बनी झोपड़ी में आग लग गई जिससे झोपड़ी में रखा सिलेंडर भी फट गया। रविवार सुबह ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

दूषित पानी पीने से तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर जिले की गिर्वा तहसील में आदिवासी बहुल पोपल्टी गांव में दूषित पानी पीने से तीन लोगों की मौत एवं 10 से अधिक के बीमार होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पोपल्टी गांव में नाले में बनाई गई खुले कुंड में से लोग पीने के पानी का उपयोग करते है। अभी मानसून की बारिश के बाद नाले का पानी खुले कुंड में घुस गया जिससे यह पानी दुषित हो गया था। क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीण इसी कुंड के पानी का उपयोग कर रह थे। बताया गया है कि इसके कारण से पिछले तीन दिनों में दो बच्चों एवं एक महिला की उल्टी दस्त से मौत हो गयी तथा 11 लोगों को समीप के नाई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर उपचार किया जा रहा है। इसमें गंभीर रूप से बीमार दो लोगों को शनिवार को उदयपुर के एम बी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा शंकर लाल बामनिया ने बताया कि सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव का दौरा घर.घर सर्वे किया गया। चिकित्सा विभाग की टीम ने सभी को दवाईयां सुलभ कराई तथा लोगों के स्वास्थ्य की अन्य तरह की जांच की जा रही है।

वृक्षारोपण

बांसवाड़ा में रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत त्रिपुरा सुंदरी में पौधारोपण किया।

आशीर्वाद

जयपुर में रविवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुजनों और संतगणों को आशीर्वाद लेती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

रामगढ़ बांध में अतिक्रमण के सर्वे के लिए समिति का किया गठन, चार सदस्यीय समिति 7 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने रामगढ़ बांध क्षेत्र में अतिक्रमण के संबंध में तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त करने के लिए विभागीय समिति का गठन करने के निर्देश दिए थे विभाग की ओर से तत्काल कार्यवाही करते हुए अतिरिक्त मुख्य अभियंता की अध्यक्षता में चार सदस्य समिति का गठन कर दिया गया है।

समाचार पत्रों में बांध के क्षेत्र में अतिक्रमण से संबंधित फोटो पर रावत ने गंभीरता से लेते हुए इसके सर्वे के निर्देश दिए थे। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि यदि अतिक्रमण से संबंधित रिपोर्ट सही पाई जाती है तो उस पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी।

अतिरिक्त सचिव एवं मुख्य अभियंता, जल संसाधन अमरजीत सिंह मेहरड़ा ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य अभियंता अजय त्यागी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है ,इसमें अधीक्षण अभियंता सुरेश कठानिया, अधिशाषी अभियंता नीरज चौधरी और अनिल थालोर को शामिल किया गया है।उन्होंने बताया कि रामगढ़ बांध के भराव एवं बहाव क्षेत्र का समिति दौरा करेगी और प्राप्त फोटो के संबंध में स्थल निरीक्षण कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

समिति पिछले 5 वर्षों में जल संसाधन विभाग से राजस्व विभाग,जयपुर विकास प्राधिकरण इत्यादि संस्थाओं को जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की सूची तैयार करेगी।

समिति यह भी जांच करेगी कि अनापत्ति प्रमाण पत्र नियम विरुद्ध तो नहीं हुए हैं,साथ ही जांच कर नियम विरुद्ध अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारियों की सूची भी प्रस्तावित करेगी। विभागीय समिति उक्त विषय के प्रकरण में विभागीय अधिकारियों द्वारा तथ्यों के विपरीत प्रत्युत्तर पेश किया गया है, के संबंध में भी अपनी टिप्पणी प्रस्तुत करेगी।

मुख्य अभियंता अमरजीत सिंह मेहरडा ने बताया कि जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने रामगढ़ बांध में भराव एवं बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों के संबंध में संयुक्त जांच टीम गठन के निर्देश दिए थे ताकि तत्काल मौके पर जाकर रामगढ़ बांध क्षेत्र का मौका निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सके ।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में अधीक्षण अभियंता जल संसाधन व्रत जयपुर एवं अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खंड जयपुर को सम्मिलित करते हुए विभिन्न संबंधित विभागों जैसे जयपुर विकास प्राधिकरण, जिला कलेक्टर जयपुर के प्रतिनिधि ,वन विभाग ,राजस्व विभाग एवं अन्य समिति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त जांच टीम का गठन करने के लिए जिला कलेक्टर जयपुर को पत्र के माध्यम से आग्रह किया गया है।

राज्यपाल मिश्र ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंर्तगत वृक्षारोपण कर इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आह्वान किया।

उन्होंने इस दौरान पौधे भी वितरित किए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश भर में आरंभ वृक्षारोपण अभियान एक पेड़ माँ के नाम के अंर्तगत विशिष्ट पार्क में वृक्षारोपण करते हुए कहा कि पेड़ पौधे धरती का शृंगार हैं, सभी इस अभियान से जुड़ अधिकाधिक पेड़ लगाएं और उनका संरक्षण भी करे। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना मां के प्रति श्रद्धा भाव व्यक्त करना ही नहीं है बल्कि यह धरती मां के प्रति भी हमारी कृतज्ञता ज्ञापन है।

राज्यपाल ने इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के साथ पेड़ पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते अभियान को प्रभावी रूप में क्रियान्वयन का संदेश दिया। कार्यक्रम संयोजक संजीव अवस्थी ने आभार जताया।

गांवों का सर्वांगीण विकास हमारी सरकार का ध्येय : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरपंच शासन की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई होता है। केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सरपंच ही धरातल पर उतारता हैं। सरपंच पूरे गांव का प्रतिनिधि होता है इसलिए उसे भेदभाव किए बिना दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ गांव के विकास के लिए कार्य कराने चाहिए। सीएम राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में यशस्वी सरपंच राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गांवों के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले 20 सरपंचों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरपंचों को अपनी ग्राम पंचायतों के आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए, जिससे वे केन्द्र और राज्य सरकार से मिलने वाली निधि के अलावा अपने स्तर पर भी विकास कार्य करवा सकें।

गांवों में पानी, सड़क, बिजली, चिकित्सा, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी तो गांवों से पलायन को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पंचायतीराज का ढांचा बहुत विस्तृत और सुदृढ़ है। राज्य में 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है।

डिग्गी में डूबने से मां-बेटे की मौत

श्रीगंगानगर। राजस्थान में बीकानेर जिले के लूणकरणसर थाना क्षेत्र के गांव दुलमेरा के समीप एक खेत में पानी की डिग्गी में डूबने से मां- बेटे की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात को खेत में पानी की डिग्गी पर लगी मोटर को बारिश से बचने के लिए उसे पर कवर लगाते समय गीता देवी (45)का पैर फिसल गया। वह डिग्गी में गिर गई। पास में ही उसका पति परताराम (48) तथा पुत्र सुरेंद्र (18) भी थे। पिता- पुत्र ने गीता को बचाने के लिए डिग्गी में छलांग लगा दी। दोनों गीता को डूबने से बचाने के प्रयास में खुद भी डूबने लगे।

परताराम डिग्गी में लगी पाइप को पकड़ कर किनारे पर आ गया लेकिन बेटा सुरेंद्र भी डूब गया। मां-बेटा दोनों की डूब गए। परताराम द्वारा शोर मचाने पर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग भाग कर आए। आसपास के खेतों से आए किसानों तथा खेत मालिक ने गीता और सुरेंद्र को बाहर निकाला। दोनों को लूणकरणसर के सरकारी अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रविवार को दोनों के शवों के पोस्टमार्टम करवाए। पुलिस ने फिलहाल मर्ग रिपोर्ट दर्ज की है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।

प्रदेश महिला कांग्रेस कार्यकर्ता संसद का करेगी घेराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण विधेयक लटकाने का आरोप लगाते हुए महिला कांग्रेस 29 को दिल्ली में संसद का घेराव करेगी। राजस्थान महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता भी लाल ड्रेस कोड में संसद घेराव में शामिल होंगी। घेराव में राजस्थान से अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को महिला कांग्रेस राष्ट्रीय पर्यवेक्षक शिल्पी अरोरा ने गतिविधियों पर चर्चा के लिए बैठक ली।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए अरोरा ने कहा कि मोदी सरकार महिला आरक्षण विधेयक को लटका रही है।

सरकार की महिलाओं को आरक्षण देने की मंशा नहीं है। देश में जहां जहां भी भाजपा की सरकार है वहां पर महिलाओं पर अत्याचार गए हैं। राजस्थान में भी भजनलाल सरकार बनने के बाद 12 हजार से ज्यादा महिलाओं अत्याचार के मामले सामने आए हैं। प्रदेशाध्यक्ष राखी गौतम ने कहा कि रैली में जाने लिए राजस्थान से टास्क और गतिविधियों को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा की गई।

कठिन रास्तों पर जो चलते हैं वही इतिहास रचते हैं : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धान राठौड़ ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर डूंगरी कलां, झोटवाड़ा में आयोजित सत्संग में परम पूज्य श्रद्धेय हीरापुरी महाराज जी का आशीर्वाद लिया एवं सत्संग को संबोधित किया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने श्रद्धेय हीरापुरी महाराज जी को नमन करते हुए कहा कि हमें अपने गुरुजनों, माता पिता को नमन करना चाहिए। आज के दिन हमें इस सृष्टि को भी नमन करना चाहिए। पेड़, पौधे सूर्य जो हमेशा हमें कुछ न कुछ सिखाते हैं ये भी नमन के योग्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने विरोधियों को भी इस अवसर पर नमन करना चाहिए क्योंकि हम उनसे भी कुछ न कुछ सीखते जरूर हैं। कर्नल राठौड़ ने कहा कि हमें बुजुर्गों, गुरुओं, माता-पिता से आगे बढ़ने का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आशीर्वाद क्या है यह एक उर्जा होती है, जब हम सांस लेते हैं वो भी एक ऊर्जा है, कोई हमारे सिर पर हाथ फेरता है वो भी एक प्रकार की ऊर्जा होती है जो हमें हमारे जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहने के लिए शक्ति प्रदान करती है।

ठाकुर के कुंआ बयान पर प्रताप खाचरियावास का हरीश चौधरी पर तंज, सबके लिए जीने वाले को गलत बताने की कोशिश

जयपुर। बायतु विधायक हरीश चौधरी के विधानसभा में ठाकुर का कुंआ वाले बयान पर पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने तंज कसते हुए कहा है कि जो सबके लिए जीता हो, उसे गलत बताया जा रहा है। खाचारियास ने कहा है कि ठाकुर का कुंआ गांव की जमीन से जुड़कर गरीब, दलित, शोषित, पीड़ित और सभी लोगों की प्यास बुझाता हैं। गांव के चौराहे पर देश के स्वाभिमान, धर्म और सच्चाई के लिए ठाकुर के कुएं ने काम किया है। ऐसे में आप उसको गलत बताना चाह रहे हैं, जो सबके लिए जीता है।

खाचारियास ने कहा है कि कांग्रेस हो या भाजपा, हमें एक बात समझनी पड़ेगी कि देश को जाति और धर्म के नाम पर नहीं बांटा जा सकता है।

बिजली क्षेत्र के लिए कोयले की कोई कमी नहीं : मंत्री जी किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि बिजली क्षेत्र के लिए कोयले की 'कोई कमी' नहीं है और केंद्र मांग को पूरा करने के लिए शुष्क ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा कि कोल इंडिया और वाणिज्यिक खदानों की उत्पादकता बढ़ाकर दीर्घकालिक मांग को पूरा किया जाएगा।

कोयला एवं खान मंत्री रेड्डी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम सभी ताप विद्युत संयंत्रों को कोयला उपलब्ध करा रहे हैं। हमने आयातित कोयले पर आधारित संयंत्रों से अनुरोध किया है कि वे अपनी तकनीक बदलकर घरेलू ईंधन का उपयोग करें। देश में कोयले की कोई कमी नहीं है।

कोयला उत्पादन में आमतौर पर मानसून के मौसम में बाधा आती है। उन्होंने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि वाणिज्यिक खदानों से संबंधित कुछ तकनीकी मुद्दों का समाधान किया जा रहा है।

घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों के लिए चार प्रतिशत आयातित कोयला मिश्रण से संबंधित बिजली मंत्रालय की सलाह पर मंत्री ने कहा कि कोल इंडिया सफलतापूर्वक उत्पादन बढ़ा रही है, लेकिन मिश्रण की सलाह 'बिजली की मांग में अचानक वृद्धि के कारण 'ब्लैकआउट' के जोखिम को कम करने' के लिए दी गई है।

इस महीने की शुरुआत में कोयला मंत्रालय के नामित प्राधिकरण ने परिचालन और गैर-परिचालन दोनों प्रकार की निजी और वाणिज्यिक कोयला खदानों की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की थी।

बैठक के दौरान प्राधिकरण ने उन कोयला ब्लॉक को चालू करने की आवश्यकता पर जोर दिया जो विकास के उन्नत चरणों में हैं। विभाग ने कोयला उत्पादन बढ़ाने में सभी आवंटियों के प्रयासों की सराहना की और उनसे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रतिबद्ध उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने का आग्रह किया।

कोयला मंत्रालय ने 57.5 करोड़ टन की अधिकतम क्षमता वाली 161 खदानों का आवंटन या नीलामी की है। इनमें से 58 को खदान खोलने की अनुमति मिल गई है और 54 चालू हैं।

पिछले वर्ष इन खदानों से 14.7 करोड़ टन कोयला उत्पादन हुआ, जो देश के कुल कोयला उत्पादन का 15 प्रतिशत था।

जून की शुरुआत में आयोजित समीक्षा बैठक में रेड्डी ने नीलामी के लिए और अधिक ब्लॉक की खोज पर जोर दिया।

पटना में 'इमारतों के भीतर वायु प्रदूषण' अध्ययन किया जाएगा

पटना/भाषा। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बीएसपीसीबी) ने पटना में घरों/इमारतों के भीतर वायु प्रदूषकों के प्रकार, उनके प्रभावों की पहचान करने और इसे कम करने के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाने के वास्ते अध्ययन करने का निर्णय लिया है।

बीएसपीसीबी के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार शुक्ला ने पीटीआई-भाषा से कहा कि यह अध्ययन सबसे पहले पटना में किया जाएगा और उसके बाद गया, मुजफ्फरपुर तथा राज्य के कुछ अन्य शहरों में किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हमने घरों/इमारतों के भीतर वायु प्रदूषकों के प्रकार, उनके प्रभावों की पहचान करने और इसे कम करने के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाने के वास्ते पटना में अध्ययन करने के लिए आईआईटी, तिरुपति के साथ बातचीत शुरू की है। बिहार शायद भारत का पहला राज्य है जिसने घरों/इमारतों के भीतर वायु प्रदूषण अध्ययन कराने का फैसला किया है और इसकी शुरुआत सबसे पहले पटना से होगी। शुक्ला ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), तिरुपति के साथ उनकी बातचीत जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, घर के अंदर वायु प्रदूषकों के प्रकारों की पहचान करने के लिए वायु गुणवत्ता अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण है। लोगों को अपने घरों के अंदर प्रदूषण के स्तर के बारे में पता होना चाहिए। शहर को विभिन्न छोटे क्षेत्रों में विभाजित करके अध्ययन किया जाएगाऔर आधुनिक एवं सटीक तकनीकों का उपयोग करके घरों/इमारतों के भीतर वायु प्रदूषण अध्ययन के लिए प्रत्येक क्षेत्र से कुछ घरों का चयन किया जाएगा।

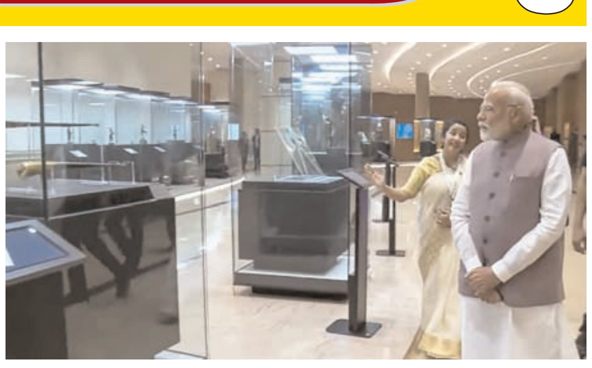

प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र का उद्घाटन समारोह शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे अजोले की उपस्थिति में विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र का उद्घाटन समारोह रविवार शाम यहां भारत मंडपम में शुरू हुआ। भारत पहली बार 21 जुलाई से 31 जुलाई तक यूनेस्को के इस प्रमुख कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है। मोदी कुछ ही देर में सत्र का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में एक प्रदर्शनी को देखा जिसमें देश में वापस लायी गयी कुछ कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा है कि अब तक 350 से अधिक कलाकृतियां देश में वापस लाई जा चुकी हैं। प्रदर्शनी के दौरान साड़ी पहने यूनेस्को की महानिदेशक भी मोदी के साथ मौजूद थीं।

गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री योगी ने रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गुरु पूर्णिमा के पर्व पर अपने दिवंगत गुरु की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं सुखमय जीवन की प्रार्थना की। एक अधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने गुरु राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके पहले मुख्यमंत्री ने महायोगी गुरु गोरखनाथ की भी विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं सुखमय जीवन की प्रार्थना की। इस दौरान योगी बच्चों से भी मिले। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुप्रसिद्ध गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अच्छे बजट का हकदार : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान का मानना है कि उनका मंत्रालय अच्छे बजट का हकदार है।

उन्होंने कहा कि देशभर में प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर देने और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अपने मंत्रालय के अनुरोध के बारे में बताए बिना पासवान ने कहा कि उनके मंत्रालय ने बजट की इच्छा सूची वित्त मंत्रालय को भेज दी है।

पासवान ने कहा कि सरकार की सीमाओं को देखते हुए वह नहीं बता सकते कि इनमें से कितने अनुरोध स्वीकार किए जाएंगे। लेकिन साथ ही जोड़ा कि आने वाले वर्षों में उनसे

अनुरोध स्वीकार कर लिए जाएंगे। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में अपनी शीर्ष तीन प्राथमिकताओं के बारे में बताया। इनमें खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करना, भारतीय ब्रांड को वैश्विक बाजारों में ले जाना और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के बारे में विभिन्न गलतफहमियों को दूर करना शामिल है।

पासवान ने कहा कि प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के प्रस्ताव सभी राज्यों, विशेष रूप से कृषि आधारित प्रदेशों से आ रहे हैं।

आगामी बजट के लिए अपनी इच्छा सूची के बारे में पूछे जाने पर पासवान ने कहा, ''मेरी इच्छा सूची वास्तव में बहुत लंबी है। लेकिन, मैं समझता हूं कि यह बाकी वित्त वर्ष के लिए बजट है। इसलिए, मैं समझता हूं कि इसमें बहुत सारी चिंताएं होंगी, बहुत सारी सीमाएं होंगी।''

उन्होंने आगे कहा, ''हालांकि, मैंने अपना प्रस्ताव भेजा है, लेकिन मुझे नहीं पता कि उसमें से कितने स्वीकार किए जाएंगे। मुझे लगता है कि अगले वित्त वर्ष तक इनपर विचार होगा। मुझे लगता है कि यह मंत्रालय एक अच्छे बजट का हकदार है, और हम इसकी मांग भी कर रहे हैं।''

पासवान ने कहा कि यह मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बहुत करीब है और उन्होंने भरोसा जताया कि उनके मार्गदर्शन में यह क्षेत्र आने वाले

झारखंड के मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित असम के लिए सहायता की घोषणा की

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्वोत्तर राज्य के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। शर्मा ने इस कदम के लिए सोरेन और झारखंड के लोगों का आभार जताया। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी ने बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा, असम की जनता की ओर से मैं झारखंड की दयालु जनता और माननीय मुख्यमंत्री की उदारता की हृदय से सराहना करता हूं। राज्य में बाढ़, भूस्खलन, आकाशीय बिजली और तूफान से अब तक कम से कम 113 लोग मारे गए हैं। असम के 10 जिलों में बाढ़ की वजह से 1.30 लाख से ज्यादा लोग अब भी प्रभावित हैं।

हम बांग्लादेश में संकट में फंसे लोगों की मदद के लिए अपने दरवाजे खुले रखेंगे : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर वह पड़ोसी देश में संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें शरण दी जाएगी। बनर्जी ने संभावित मानवीय संकट पर अपने रुख को न्यायोचित ठहराने के लिए शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के संकल्प का हवाला दिया। उन्होंने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की 'शहीद दिवस' रैली में कहा, ''मुझे बांग्लादेश के मामलों पर नहीं बोलना चाहिए क्योंकि वह एक संप्रभु राष्ट्र है और इस मुद्दे पर जो कुछ भी कहा जाना चाहिए वह केंद्र का विषय है। लेकिन मैं आपको यह बता सकती हूं कि यदि संकट में फंसे लोग बंगाल के दरवाजे खटखटाएंगे तो हम उन्हें शरण जरूर देंगे।'' बनर्जी ने कहा, ''ऐसा इसलिए है क्योंकि अशांत क्षेत्रों के आसपास के क्षेत्रों में शरणार्थियों को समायोजित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का एक संकल्प है।'' उन्होंने बंगाल के उन निवासियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया जिनके रिश्तेदार अंतरराष्ट्रीय सीमा से पूर्व की ओर हो रही हिंसा के कारण फंस गए हैं। उन्होंने उन बांग्लादेशियों को भी सहायता प्रदान करने की बात कही जो बंगाल आए थे, लेकिन घर लौटने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के लोगों से बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति से संबंधित मामलों पर उकसावे में न आने की भी अपील की। उन्होंने कहा, ''हमें संयम बरतना चाहिए और इस मुद्दे पर किसी भी उकसावे में नहीं आना चाहिए।''

केंद्र में राजग की सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी क्योंकि ''सांप्रदायिक ताकतों'' को भले ही कुछ समय के लिए सफलता मिल सकती है, लेकिन अंततः उनकी हार होगी। यादव ने तृणमूल

कांग्रेस द्वारा 'शहीद दिवस' पर आयोजित महारैली को संबोधित करते हुए कहा, ''जो लोग सत्ता में आए हैं, वे बस कुछ दिनों के मेहमान हैं।'' उन्होंने भाजपा या राजग का नाम लिए बिना कहा, ''केंद्र में यह सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी और जल्द ही गिर जाएगी। ऐसी सांप्रदायिक ताकतें किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना चाहती हैं, लेकिन उनके मंसूबे कामयाब नहीं होंगे।''

सपा नेता ने कहा, ''केंद्र में सांप्रदायिक ताकतें साजिशें रच रही हैं और देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''जो ताकतें देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटना चाहती हैं, उन्हें भले ही कुछ समय के लिए सफलता तो मिल सकती है, लेकिन अंत में वे पराजित होंगी। ऐसी सांप्रदायिक ताकतें किसी भी कीमत पर सत्ता में रहना चाहती हैं।''

फॉर्मूला वन के बाहर मौकों पर ध्यान देना जरूरी : दारूवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। फार्मूला वन रेसिंग के लिए मौका नहीं मिलने के बावजूद भी भारतीय ड्राइवर जेहान दारूवाला को ज्यादा निराशा नहीं है और वह फार्मूला ई रेस का हिस्सा बनकर खुश हैं।

इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने फॉर्मूला वन की निचली श्रृंखला फार्मूला टू रेस में लगभग चार सत्र बिताये। चार जीत के साथ 18 पोडियम हासिल करने के बावजूद वह इससे आगे बढ़ने में सफल नहीं रहे। इस दौरान उन्होंने रेड बुल के साथ तीन सत्र बिताये लेकिन इस करार के टूटने के बाद उन्होंने फार्मूला ई में हाथ आजमाना शुरू किया। फार्मूला ई में मासेराती टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले दारूवाला को हालांकि उम्मीदों के मुताबिक सफलता नहीं मिली और वह तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। उन्होंने लंदन ई-प्रिक्स के इतर पीटीआई से कहा, '' ईमानदारी से कहूं तो टीमों और यहां तक कि ड्राइवरों के मामले में फार्मूला ई शायद सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी चैम्पियनशिप है। फार्मूला ई का स्तर संभवतः फार्मूला वन जितना ही अच्छा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं जहां हूं वहां खुश हूं। मैं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रहा हूं इसलिए मुझे कोई शिकायत नहीं है।'' उन्होंने कहा, '' समय बदल रहा है। फार्मूला वन के बाहर भी अधिक अवसर हैं। कभी-कभी यह आगे बढ़ने लायक होता है। मैंने फार्मूला वन में जाने की कोशिश में फार्मूला टू में काफी साल बिताए, लेकिन फिर जब मुझे एहसास हुआ कि यह संभव नहीं है, तो मैं कुछ और मौके तलाशने लगा।''

ओलंपिक के लिए भारतीय तीरंदाजी दल में 'दागी' फिजियो की मौजूदगी पर विवाद

पेरिस/भाषा। ओलंपिक एक्रिडिटेशन नहीं मिलने के कारण मुख्य कोच कोरिया के बाक वूंग के यहां से लौटने के बाद भारतीय तीरंदाजी दल 'दागी' फिजियो की मौजूदगी के कारण फिर से विवादों में फंस गया है। भारतीय तीरंदाजी दल में वूंग व द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता हाई परफार्मेंस निदेशक संजीव सिंह को एक्रिडिटेशन नहीं मिला।

भारतीय तीरंदाजी संघ के शीर्ष अधिकारी ने खुलासा किया कि इन दोनों की जगह फिजियो अरविंद यादव को दल में शामिल किया है। यादव पर पिछले साल नवंबर में आयरलैंड के लिमरिक में युवा विश्व चैंपियनशिप के दौरान कनाडा की एक किशोर खिलाड़ी के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगा था। इस अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, '' विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता प्रबंधक थॉमस ऑबर्ट की शिकायत के अनुसार, यादव ने सोशल मीडिया पर कनाडा की एक किशोर तीरंदाज के साथ अनुचित व्यवहार किया था।'' यादव से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, '' यह मुझे बदनाम करने की साजिश है। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। तब एएआई ने मेरे खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? अगर ऐसा था तो किसी तीरंदाज को मेरी नियुक्ति पर आपत्ति क्यों नहीं की।''

बरेली में मंदिर में घुसकर मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में तीन आरोपी गिरफ्तार

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में गोपेश्वर नाथ मंदिर में घुसने, वहां हंगामा करने और मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (शहर) राहुल भाटी ने बताया कि आरोपियों की पहचान शाहरुख, अरशद और अकरम के तौर पर हुई है। भाटी ने बताया कि घटना सुबह की है जब तीनों वहां पहुंचे और हंगामा करने लगे तथा देवी-देवताओं की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने लगे। उन्होंने बताया कि बाद में दो लोग मौके से भागने में सफल रहे जबकि अकरम को लोगों ने पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। भाटी ने बताया कि कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने फरार अन्य दोनों को भी पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि अकरम को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाटी के मुताबिक, मामले की विस्तृत जांच की जा रही है तथा पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

शुरुआत में लाल गेंद की क्रिकेट पर ही ध्यान दें खिलाड़ी : नौशाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान और उभरते हुए आलराउंडर मुशीर खान के पिता और कोच नौशाद खान ने युवा खिलाड़ियों को 15 साल की उम्र तक लाल गेंद से क्रिकेट यानी लंबी अवधि के प्रारूप पर ध्यान देने की जरूरत बताते हुए कहा कि अपने खेल की बुनियाद मजबूत करने के लिये ऐसा करना बेहद जरूरी है।

लखनऊ स्थित एक क्रिकेट एकेडमी में उभरते हुए खिलाड़ियों को गुर सिखाने आये खान ने रविवार को 'पीटीआईभाषा' से बातचीत में कहा कि फटाफट क्रिकेट के इस दौर में भी शुरुआत हमेशा लाल गेंद से ही होनी चाहिये। खासकर 15 साल तक की उम्र तक खिलाड़ियों को

लाल गेंद से खेलने पर ही ध्यान लगाना चाहिये। उन्होंने कहा, ''शुरु में लाल गेंद से खेलने में फायदा ही फायदा है, वरना नुकसान ही नुकसान है। पहले टेस्ट क्रिकेट पर ही फोकस किया जाए। उसके बाद ही वन डे और टी20 खिलाया जाए। लाल गेंद से खेलने से खिलाड़ी के 'बेसिक्स' मजबूत होते हैं और वह तकनीकी तथा मानसिक रूप से भी सशक्त हो जाता है। लिहाजा 15 साल की उम्र तक खिलाड़ियों की बुनियाद को मजबूत करने पर ही ध्यान देना चाहिये। ''

पेरिस ओलंपिक के लिए आईओए को 8.5 करोड़ रु. देगा बीसीसीआई : जय शाह

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को रविवार को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को 8.5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से शुरू होंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि बीसीसीआई 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हमारे अविश्वसनीय एथलीटों का समर्थन करेगा। हम इस अभियान के लिए आईओए को 8.5 करोड़ रुपये प्रदान कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम पूरे दल को शुभकामनाएं देते हैं। भारत को गौरवान्वित करें। जय हिंद।''

कौर व घोष का अर्धशतक, भारत ने यूएई को 78 रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाम्बुला/भाषा। गत चैम्पियन भारतीय महिला टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66 रन) और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष (नाबाद 64) के अर्धशतकों के बाद कसी गेंदबाजी से रविवार को यहां महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट मैच में अपना रिकॉर्ड स्कोर बनाकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 78 रन से शिकस्त दी।

सात बार की चैम्पियन भारत ने अपने पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था और अब लगातार दूसरी जीत से सेमीफाइनल में पहुंचने से एक कदम

दूर है। दो जीत से भारत ग्रुप ए में चार अंक से शीर्ष स्थान पर है जिसमें उसका नेट रन रेट +3.298 है। भारत अपने तीसरे और अंतिम ग्रुप मैच में मंगलवार को नेपाल से भिड़ेगा। भारत ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जो एशिया कप का रिकॉर्ड स्कोर भी है। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद यूएई को 20 ओवर में सात विकेट पर 123 रन पर रोक दिया। उसके लिए कप्तान ईशा ओझा (38 रन) ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें सहयोग नहीं मिला। कविशा एगोडगे ने नाबाद 40 रन बनाये। भारत ने पांच गेंदबाजों का इस्तेमाल किया जिसमें सभी ने कम से एक एक विकेट लिया। अनुभवी गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट झटके। रेणुका सिंह (30 रन देकर एक विकेट) और पूजा वस्त्रकार (27 रन देकर एक विकेट) की तेज गेंदबाज जोड़ी ने तीर्था सतीश (04) और ऋणीता रजीत (07) को आउट किया जिससे यूएई का स्कोर 5.2 ओवर में 2 विकेट पर 24 रन हो गया। इसके बाद दीप्ति ने अपनी तीसरी गेंद पर समायरा धरनीधरका (05) को आउट किया। लेकिन ओझा और कविशा एगोडगे ने कुछ मनोरंजक शॉट खेले और अगले तीन ओवर में 20 रन बनाए। चोटिल श्रेयंका पाटिल की जगह अंतिम एकादश में शामिल तनुजा कंवर (14 रन देकर एक विकेट) ने ओझा को स्टंप आउट कर दिया जबकि राधा यादव (29 रन देकर एक विकेट) ने खुशी शर्मा (10) को आउट किया जिससे 16वें ओवर में उनका स्कोर पांच विकेट 95 रन हो गया। इसके बाद हीना होतचंदानी (08) दीप्ति का दूसरा शिकार बनीं और ऋतिका रजीत आखिरी गेंद पर रन आउट हो गईं।

इससे पहले 35 वर्षीय हरमनप्रीत पूरी तरह से दबदबा बनाये थीं, उन्होंने 47 गेंद की पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का जड़ा। हरमनप्रीत ने इस तरह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 12वां अर्धशतक जड़ा जो कप्तान के तौर पर उनका 11वां पचासा है।

मेरी भूमिका स्ट्राइक रोटेट करना और क्रीज पर टिके रहना थी : हरमनप्रीत कौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दांबुला/भाषा। शानदार अर्धशतक जड़ने वाली भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनका ध्यान स्ट्राइक रोटेट करने पर था जिससे टीम रविवार को महिला एशिया कप में यूएई के खिलाफ मुश्किल स्थिति से उबरते हुए पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर बनाने में सफल रही। भारत पावरप्ले में 52 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद मुश्किल में था लेकिन हरमनप्रीत (66 रन) ने दो अहम साझेदारियां निभायीं जिससे भारत मजबूत स्थिति में पहुंचा गया। जवाब में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सात विकेट पर 123 रन ही बना सकी।

हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, ''यह एक शानदार अहसास है। जब जेमी (जेमिमा रोड्रिग्स) और मैं बल्लेबाजी कर रहे थे तो हमने बात की कि हमें जोखिम भरे शॉट खेलने के बजाय तेज भागना होगा। हमारा ध्यान प्रति ओवर सात आठ रन बनाने पर था। '' उन्होंने कहा, ''जब ऋचा आई तो मैंने उनसे कहा कि गेंद को देखो कि विकेट कैसा खेल रहा है। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। मेरा काम सिर्फ पिच पर बने रहना और स्ट्राइक रोटेट करना था। जब भी ढीली गेंद फेंकी गयी तो उन्हें बाउंड्री में बदला। '' हरमनप्रीत ने 'एंकर' की भूमिका बखूबी निभाई लेकिन ऋचा की 29 गेंद में खेली गई 64 रन की नाबाद पारी ने भारत को टी20 क्रिकेट में अपना पहला 200 से अधिक का स्कोर बनाने में मदद की।

सुविचार

सही वक्त पर पिए गए कड़वे घूंट अक्सर जिंदगी मीठी कर दिया करते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वदेशी तकनीक विकसित करें

वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ी एक तकनीकी समस्या से दुनिया के कई देशों में कामकाज बाधित हुआ। विभिन्न बैंक शाखाओं, हवाईअड्डों, मीडिया सेवाओं, शेयर बाजारों समेत कई दफ्तरों का कामकाज ठप हो गया। ऐसी स्थिति का सामना करने के लिए पहले से कोई तैयारी नहीं थी। लोगों ने रोजाना की तरह अपने कंप्यूटरों को चालू करने के लिए बटन दबाया तो स्क्रीन का रंग नीला नज़र आया। अचानक आई इस तकनीकी समस्या के सामने बड़े-बड़े संस्थान खुद को असहाय महसूस कर रहे थे। भारत में भी इसका कुछ असर देखने को मिला। हमें इसके दूसरे पहलू को देखने-समझने की जरूरत है। यह सिर्फ एक समस्या थी, जो अचानक आ गई। अगर समस्या इससे भी ज्यादा गंभीर हो, जिसका कई दिनों तक समाधान होने की कोई उम्मीद न हो तो उसके क्या नतीजे हो सकते हैं? आज दफ़्तरों से लेकर घरों तक, जिस तरह विदेशी तकनीक आधारित उपकरणों का उपयोग बढ़ रहा है, वह हमारे लिए भविष्य में बड़ी समस्या भी बन सकता है। इन शब्दों का यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि हमें तकनीक से दूर हो जाना चाहिए! तकनीक आज की बहुत बड़ी जरूरत है। इसके बिना काम नहीं चल सकता। हमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी तकनीक विकसित करने और उसे अपनाने पर जोर देना चाहिए। विदेशी तकनीक के साथ जुड़ीं समस्याओं को एक और सन्दर्भ में देखने की जरूरत है। कई विदेशी सरकारों का हमारे साथ दोस्ताना रिश्ता नहीं रहा है। वर्ष 1971 के युद्ध से पहले जब पूर्वी पाकिस्तान में हालात बिगड़ रहे थे और वहां से बड़ी तादाद में लोग हमारे देश में आ रहे थे, तब पश्चिमी देशों ने समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं दिखाई थी। यही नहीं, जब युद्ध छिड़ गया था, तब अमेरिका समेत ज़्यादातर पश्चिमी देशों के बयान पाकिस्तान के पक्ष में आ रहे थे।

भारत ने मई 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण किए थे तो विदेशी सरकारें आगबबूला हो गई थीं। उन्होंने कई तरह के प्रतिबंधों की घोषणाएं कर दी थीं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि वर्ष 1999 में जब हमारी सेनाएं कारगिल युद्ध लड़ रही थीं, तब कुछ विदेशी कंपनियां (जो हमारे कथित मित्र देशों में हैं) इसे सुनहरे मौके की तरह लेते हुए अपने उत्पादों के दाम बढ़ा-चढ़ाकर मांग रही थीं। वे अपना पुराना माल ऊंची कीमतों पर खपा देने की फिराक में थीं। पाकिस्तान आज भी बाज़ नहीं आ रहा है। वह आतंकवाद फैला रहा है। जबकि कई विदेशी सरकारें, शोध संस्थान (जो कुछ खास कंपनियों के सहयोग से चलते हैं) भारत को ही सहिष्णुता व सेकुलरिज्म पर उपदेश देते रहते हैं। वे अपनी बयानबाजी में यह जरूर लिखते हैं कि 'हम भारत में फलां परिस्थिति पर नजर बनाए हुए हैं!' अगर भारत सरकार भविष्य में पाकिस्तान के खिलाफ किसी बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने का निश्चय कर ले तो ये विदेशी सरकारें और कंपनियां हमारे देश के कामकाज में व्यवधान डालने की कोशिशें कर सकती हैं। क्या हमारे पास अपना सर्च इंजन है? क्या हमारे पास कंप्यूटरों में इस्तेमाल होने वाली मजबूत, सरल एवं लोकप्रिय तकनीक है? क्या ईमेल आदि भेजने के लिए अपना सुदृढ़ माध्यम है? भारत के निजी/सरकारी दफ्तरों, घरों में विदेशी तकनीक का बोलबाला है। कोई आश्चर्य नहीं, अगर ये कंपनियां अपने देशों की सरकारों के इशारों पर हमारे लिए अपनी सेवाओं के बटन बंद कर दें! जब रूस ने यूक्रेन पर हमला बोला था, तब पश्चिमी कंपनियों ने आर्थिक प्रतिबंधों के तौर पर डिजिटल भुगतान से संबंधित सेवाएं रोक दी थीं। इससे लोगों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ी तकनीकी समस्या से रूस और चीन अप्रभावित रहे, क्योंकि उनके पास अपनी तकनीक है। रूस ने अपने अनुभवों से सबक लेते हुए तकनीक विकसित की और चीन तो कई वर्षों से स्वदेशी तकनीक काम में ले रहा है। उसके पास कंप्यूटर और इंटरनेट संबंधी सेवाओं के लिए अपने प्लेटफॉर्म हैं। हमारे देश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आईआईटी से लेकर तकनीकी क्षेत्र में शोध करने वाले बड़े संस्थान हैं, जो स्वदेशी तकनीक पर काम कर सकते हैं। हमें तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की सख्त जरूरत है। देश के पास अपनी तकनीक हो और उसका सभी दफ्तरों व घरों तक विस्तार हो। आत्मरक्षा की तैयारी पहले से कर लेंगे तो चुनौतीपूर्ण स्थिति में मजबूती से खड़े रहेंगे।

ट्वीटर टॉक

अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भारत की टीम ने 4 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीतकर विश्व में भारत का परचम लहराया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए विजयी युवा गणितज्ञों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। समस्त देशवासियों को आप पर गर्व है।

-दीया कुमारी

यह खबर मुझे दुखी कर रही है कि कुछ महीने पहले तक मेरे शहर जोधपुर का नाम मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी, राजीव गांधी फिनटेक इंस्टीट्यूट, मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए चर्चा में था वहां अपराध के समाचार अखबार की मुख्य खबरें बन रहे हैं।

-अशोक गहलोत

आज धर्मनगरी पूंछरी का लौठा, डीग में श्री नाथ जी मंदिर में पूर्ण विधि-विधान से प्रभु के पावन दर्शन-पूजन व अभिषेक कर सम्पूर्ण जगत के कल्याण हेतु प्रार्थना की। श्रीनाथ जी की कृपा से समस्त प्रदेशवासियों का जीवन संकट मुक्त, सुख-समृद्धि एवं आरोग्यता से परिपूर्ण हो।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

स्वर्ग-नरक का द्वार

एक बार जापान के सन्त हाकुइन के पास एक सैनिक आया और उसने प्रश्न किया, 'महाराज! स्वर्ग और नरक अस्तित्व में है या केवल उनका हौवा बना दिया गया है?' हाकुइन ने उसकी ओर एकटक देखकर पूछा, 'तुम्हारा पेशा क्या है?' 'जी, मैं सिपाही हूं।' सन्त ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, 'क्या कहा, तुम सिपाही हो! मगर चेहरे से तो तुम कोई भिखारी मालूम होते हो! तुम्हें जिसने भर्ती किया है, वह निश्चय ही कोई मूर्ख होगा।' यह सुनते ही वह सैनिक आगबबूला हो गया। उसका हाथ तलवार की ओर गया। यह देख हाकुइन बोले, 'अच्छा! तुम साथ में तलवार भी रखते हो! मगर इसकी धार पैनी नहीं मालूम पड़ती, फिर इससे मेरा सिर कैसे उड़ा पाओगे?' इन शब्दों ने उसकी क्रोधग्नि में घी का काम किया। उसने झट से म्यान से तलवार खींच ली। तब सन्त बोले, 'लो, नरक के द्वार खुल गये।' सन्त के शब्द उसके कानों तक पहुंच भी न पाये थे कि उसने महसूस किया कि सामने तलवार देखकर भी यह साधु शान्त बैठा हुआ है। उसकी क्रोधाग्नि एकदम शांत हो गयी। उनका आत्मसंयम देख उसने तलवार म्यान में रख दी। तब सन्त बोले, 'लो, अब स्वर्ग के द्वार खुल गये।'

सामयिक

शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि दिल्ली जैसे महानगरों में रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

महानगरों में बढ़ता जानलेवा प्रदूषण गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के हाल के अध्ययन में वायु प्रदूषण की बढ़ती विनाशकारी स्थितियों के आंकड़े न केवल चौंकाने वाले है बल्कि अत्यंत चिन्तातनक है। भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। भारत के महानगरों में वायु प्रदूषण के रूप में पसर रही मौत के लिये सरकार एवं उनसे संबंधित एजेंसियों की लापरवाही एवं कोताही शर्मनाक है, क्योंकि सरकार द्वारा 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। गंभीर से गंभीरतर होती वायु प्रदूषण की स्थितियों के बावजूद समस्या के समाधान में कोताही चिन्ता में डाल रही है एवं आम जनजीवन के स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। महानगरों में प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं।

केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण एवं हवा में घुलते जहरीले तत्वों की चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। सरकार की कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। लेकिन विडम्बना है कि तय लक्ष्य हासिल नहीं हो सके। महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है।

हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान को निरन्तर जीवन का हिस्सा बनाना होगा। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में गत दो-तीन साल में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल ही सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती।

प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। इसके लिये शहरों में वृक्षारोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे प्रयास करने के सुझावों का क्रियान्वित करने की अपेक्षा है, इसके लिये जो कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था, लेकिन स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। जिससे समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। इसी कारण देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे महानगरों को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? प्रशासन अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा पा रही है?

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये सक्रिय है, केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये करीब साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन विडम्बना है कि पर्याप्त फण्ड होने के बावजूद सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। कैसे समस्या से मुक्ति मिलेगी? जीवाश्म ईंधन के उपयोग, सड़कों पर निरंतर बढ़ते पेट्रोल-डीजल वाहन, सार्वजनिक यातायात की बदहाली व कचरे का ठीक से निस्तारण न होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल करना जटिल होता जा रहा है। अब समस्या की विकरालता को देखते हुए केंद्र सरकार इस दिशा में नये सिरे से गंभीरता से पहल कर रही है, जिससे प्रदूषित शहरों को दी जाने वाली राशि का यथा समय अधिकतम उपयोग हो सके। पराली की समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1347 करोड़ रुपये और उपकरण दिए गए। अगर इस पर राजनीति करने की जगह ईमानदारी से काम होता तो प्रदूषण को कम करने की दिशा में हम कुछ कदम बढ़े होते।

वायु प्रदूषण एक जाना-पहचाना पर्यावरणीय स्वास्थ्य खतरा है। हम जानते हैं कि हम क्या देख रहे हैं जब भूरे रंग की धुंध शहर के ऊपर छा जाती है, व्यस्त राजमार्ग पर धुआँ निकलता है या धुएँ के ढेर से धुआँ निकलता है। वायु प्रदूषण मानव निर्मित और प्राकृतिक दोनों स्रोतों से उत्पन्न खतरनाक पदार्थों का मिश्रण है। वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, घरों को वातानुकूलित करने के लिए ईंधन तेल और प्राकृतिक गैस, एसी का उपयोग, विनिर्माण और बिजली उत्पादन के उप-उत्पाद, विशेष रूप से कोयला-ईंधन वाले बिजली संयंत्र, और रासायनिक उत्पादन से निकलने वाले धुएं मानव निर्मित वायु प्रदूषण के प्राथमिक स्रोत हैं। बढ़ता प्रदूषण वैश्विक स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए एक बड़ा खतरा है। वायु प्रदूषण सभी रूपों में, हर साल दुनिया भर में 6.5 मिलियन से अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार है यह संख्या पिछले दो दशकों में बढ़ी है। भारत के महानगरों में यह अधिक विकराल होती जा रही है। उच्च वायु प्रदूषण से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं में कैंसर, हृदय रोग, श्वसन रोग, मधुमेह, मोटापा, तथा प्रजनन, तंत्रिका संबंधी और प्रतिरक्षा प्रणाली संबंधी विकार शामिल हैं।

वायु प्रदूषण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। महानगरों की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है।

शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि दिल्ली जैसे महानगरों में रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। 300 से अधिक एक्यूआइ वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी सहित अनेक महानगर क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं। निस्संदेह, राज्यों के शासन व स्थानीय प्रशासन के वायु प्रदूषण को लेकर उदासीन रवैये से नागरिकों के जीवन का संकट बरकरार है। सर्वविदित तथ्य है कि न तो सरकारों के पास पर्याप्त संसाधन हैं और न ही ऐसा विशिष्ट कार्यबल। नागरिकों की जागरूकता व जवाबदेही बढ़ाकर वायु प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये प्रशासन एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा।

नजरिया

देश में बढ़ रही कुतर्क की राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

मोबाइल : 9770015780

राजनीति में सकारात्मक दिशा के अभाव में देश को जो नुकसान उठाना पड़ता है, वह भले ही प्रत्यक्ष रूप में दिखाई नहीं दे, लेकिन उससे समाज पर प्रभाव अवश्य ही होता है। अगर यह प्रभाव नकारात्मक चिंतन की धारा के प्रवाह को गति देने वाला होगा तो देश को भी अपने अस्तित्व के लिए जूझना पड़ता है। वर्तमान में जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, उसे भटकाव पैदा करने वाली राजनीति कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इतना ही नहीं, जो विषय राजनीति के नहीं होने चाहिए, उनको भी राजनीतिक दल राजनीति के दल दल में ले जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार के किसी भी निर्णय का अपने हिसाब से परिभाषित करना राजनीति का प्रिय विषय बनता जा रहा है। इससे प्रायः मूल विषय बहुत पीछे छूट जाता है और बहस कहीं और चली जाती है।

आज के राजनीतिक वातावरण का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि सभी राजनीतिक दलों के अपने अपने एजेंडे हैं। कोई भी किसी दूसरे की बात को ऐसे तर्क देकर उसका प्रक्षालन करते हैं, जैसे केवल उनकी ही बात सही है और बाकी सब गलत बयानी कर रहे हैं। हालांकि यह बात सही है कि कमी सभी जगह होती है, लेकिन कुछ अच्छे काम भी होते हैं, आज इन अच्छे कामों की चर्चा कहीं भी नहीं हो रही है। सब एक दूसरे की गलतियां निकालने में ही राजनीति का मुख्य उद्देश्य बनता जा रहा है। यह राजनीति की सकारात्मक दिशा तो कतई नहीं मानी जा सकती। हाँ इसे नकारात्मक राजनीति अवश्य कहा जा सकता है। ऐसी राजनीति आम जनता में भटकाव पैदा करती है। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि जो जनता सरकार के विरोध का विचार रखती है, वह विपक्ष की हर बात को सही मानकर ही व्यवहार करेगी और जो विपक्ष की बातों पर भरोसा नहीं करती, उसे सत्ता पक्ष की बात मानने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वास्तव में ऐसी राजनीति के बजाय देश हित की राजनीति करने की ओर सभी दलों को आगे आना चाहिए। लेकिन आज के वातावरण में ऐसा होना संभव नहीं लगता। क्या यह सही नहीं है कि देश में भाजपा के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनी है, लेकिन विपक्ष इस बहुमत वाली सरकार को पराजित सरकार कहकर लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहा है। हालांकि यह मानने में कोई अतिरेक नहीं है कि विपक्ष पहले से मजबूत हुआ है, लेकिन वह विपक्ष में ही है। इसको भी खुले मन से स्वीकार करने की मानसिकता बनानी होगी, तभी हम कह सकते हैं कि राजनीति देश को सही दिशा में ले जाने की हो रही है।

आजकल समाचार के विभिन्न माध्यमों पर सामयिक विषयों पर चर्चा होती है, लेकिन इन चर्चाओं में सभी तरफ से पूर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्तियों को ही शामिल करने का चलन हो गया है। दूसरे की बात को नकारना ही इन चर्चाओं का एकमेव सिद्धांत बनता जा रहा है। इतना ही नहीं, कोई एंकर अपनी ओर से भारत के चिंतन पर आधारित कोई तथ्य रखता है तो उस एंकर को भी किसी राजनीतिक दल का समर्थक बताने में कोताही नहीं की जाती। हो सकता है कि कोई पत्रकार विचारधारा से किसी राजनीतिक दल की बात को सही ठहराने की वकालत कर रहा हो। क्योंकि आज के समय में अधिकांश पत्रकार और समाचार पत्र किसी न किसी राजनीतिक दल का खुल कर समर्थन करता है तो कोई विरोध की शैली ही अपनाता है। ऐसी पत्रकारिता भी ठीक नहीं कही जा सकती, लेकिन कई समाचार चैनल ऐसे भी हैं जो निष्पक्ष तरीके से बहस कराते हैं। यह एंकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों से ही सवाल करते हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं की ओर से एंकर को सवालों के घेरे में खड़े करना ठीक नहीं कहा जा सकता। आजकल जो डिबेट चल रही हैं, उनमें विपक्ष की ओर से ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, जैसे उन्होंने भाजपा को हरा दिया है। इसके लिए अगर कोई एंकर विजयी सांसदों की संख्या बताता है तो तर्क वितर्क प्रारंभ हो जाता है। यहां तक तो ठीक है, लेकिन ज़ब यह तर्क वितर्क से आगे बढ़कर कुतर्क की शैली में आ जाता है तो विवाद होने लगता है। राजनेताओं को राजनीतिक लड़ाई केवल दलीय आधार पर करना चाहिए, लेकिन यहां पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर अपने तरकस से तीर निकालने का प्रयास किया जाता है। अगर भाजपा का कोई प्रवक्ता तीसरी बार सरकार बनाने की बात को लोकतंत्र की विजय निरुपित करता है तो इसमें गलत क्या है। इसे विपक्ष को खुले मन से स्वीकार करने में हिचक क्यों हो रही है। एक कहावत है कि सच बहुत कड़वा होता है, जिसने सच को स्वीकार करना सीख लिया, वह कुतर्क करने की चेष्टा नहीं कर सकता।

लोकतंत्र क्या है? इसकी परिभाषा या तो राजनेता जानते नहीं हैं या फिर जानते हुए भी नहीं जानने का नाटक करने का प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र की परिभाषा जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन है। राजनेता तो मात्र जनता के प्रतिनिधि ही हैं। लेकिन वर्तमान में राजनेता जनता से ऊपर मानने की ओर प्रवृत हो चुके हैं। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि भारत की जनता ने लोकसभा के चुनाव में सबसे ज्यादा सीट भाजपा को दी हैं। इसे सीधे अर्थों में प्रदर्शित किया जाए तो यही कहना उचित होगा कि भाजपा ही जनता की पहली पसंद है। उसे जनता ने 240 सीट दी है। बाकी का कोई भी दल तीन अंकों की संख्या तक भी नहीं पहुँच सका है। ऐसे में क्या यह नहीं कहा जाना चाहिए कि मिलकर चुनाव लड़ने के बाद भी विपक्ष सरकार बनाने में सफल नहीं हो सका। इसे हार ही कहा जाएगा, लेकिन विपक्ष इसी हार को ऐसे प्रचारित कर रहा है, जैसे यह उसकी बहुत बड़ी जीत है। कांग्रेस ने भले ही अपनी स्थिति में सुधार करते हुए प्रदर्शन किया हो, लेकिन इसे बड़ी जीत नहीं कहा जा सकता। सत्य यह भी है कि कांग्रेस ने जो प्रदर्शन किया है, वह उसके अपने परिश्रम का परिणाम नहीं है। उत्तरप्रदेश में अगर सपा का समर्थन नहीं होता तो कांग्रेस किस स्थिति में होती, यह अनुमान लगाया जा सकता है। यहां एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल सपा ने बेहतर प्रदर्शन किया है, कांग्रेस राष्ट्रीय दल होने के बाद भी सपा से बहुत पीछे है। इस सत्य को स्वीकार करना चाहिए। यही लोकतंत्र की जीत है। तर्क वितर्क और कुतर्क करने की राजनीति से भ्रम की स्थिति बनती है। इस प्रकार की राजनीति का कोई ठोस आधार नहीं होता।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

कोलकाता में रविवार को पार्टी की वार्षिक 'शहीद दिवस' रैली के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व अन्य।

'भारत में बुजुर्गों की आबादी 2050 तक दोगुनी होने की संभावना'

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की भारत इकाई 'यूएनएफपीए- इंडिया' की प्रमुख एंड्रिया वोजनार ने कहा है कि भारत की बुजुर्ग आबादी 2050 तक दोगुनी हो जाने की संभावना है और देश में खासकर उन बुजुर्ग महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन में अधिक निवेश किए जाने की जरूरत है, जिनके ''अकेले रह जाने और गरीबी का सामना करने की अधिक आशंका है।''

'यूएनएफपीए-इंडिया' की 'रेजिडेंट' प्रतिनिधि वोजनार ने विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) के कुछ दिनों बाद 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में जनसंख्या के उन प्रमुख रुझानों को रेखांकित किया, जिन्हें भारत सतत विकास में तेजी लाने के लिए प्राथमिकता दे रहा है। इनमें युवा आबादी, वृद्ध जनसंख्या, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु के अनुसार बदलाव करना शामिल हैं। ये कारक सभी देश के लिए अनूठी चुनौतियां और अवसर पेश करते हैं। वोजनार ने कहा कि 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों की संख्या 2050 तक दोगुनी होकर 34 करोड़ 60 लाख हो जाने का अनुमान है, इसलिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन योजनाओं में निवेश बढ़ाने की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, ''...खासकर वृद्ध महिलाओं के लिए ऐसा करना आवश्यक है, जिनके अकेले रहने और गरीबी का सामना करने की अधिक आशंका है।'' 'यूएनएफपीए-इंडिया' प्रमुख ने कहा कि भारत में युवा आबादी काफी है और 10 से 19 वर्ष की आयु के 25 करोड़ 20 लाख लोग हैं। उन्होंने जिक्र किया कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, नौकरी के लिए प्रशिक्षण और रोजगार सृजन में निवेश करने से इस जनसांख्यिकीय क्षमता को भुनाया जा सकता है और देश को सतत प्रगति की ओर अग्रसर किया जा सकता है। वोजनार ने कहा, ''भारत में 2050 तक 50 प्रतिशत शहरी आबादी होने का अनुमान है, इसलिए झुग्गी बस्तियों की वृद्धि, वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए स्मार्ट शहरों, मजबूत बुनियादी ढांचे और किफायती आवास का निर्माण महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''शहरी योजनाओं में महिलाओं की सुरक्षा संबंधी जरूरतों, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा एवं नौकरियों तक पहुंच को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए, ताकि लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जा सके और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हो सके।''

वोजनार ने यह भी कहा कि आंतरिक और बाहरी प्रवासन को प्रबंधित करने के लिए अच्छे से सोच-विचार कर योजना बनाने, कौशल विकास करने और आर्थिक अवसर वितरण की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के अनुसार बदलाव को विकास योजनाओं में शामिल करना और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश करना भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश में मौजूदा अशांति के बीच 'हाई अलर्ट' पर है बीएसएफ

अगरतला/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पड़ोसी देश बांग्लादेश में मौजूदा अशांति के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए 'हाई अलर्ट' पर है। एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पड़ोसी देश में आरक्षण विरोधी आंदोलन में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिसके कारण सरकार को अस्थिर स्थिति से निपटने के लिए 'कर्फ्यू' लगाना पड़ा है।

बीएसएफ, त्रिपुरा फ्रंटियर के महानिरीक्षक पटेल पीयूष पुरुषोत्तम दास ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''बांग्लादेश में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति बीएसएफ के लिए भी सुरक्षा संबंधी चिंता का विषय है, क्योंकि हमें अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। हम स्थिति से पूरी तरह अवगत हैं और हमने सुरक्षा बढ़ा दी है, ताकि सीमा पार से आपराधिक तत्व मौजूदा स्थिति का फायदा न उठा सकें।'' उन्होंने कहा कि उच्च स्तर की तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में जवानों और सभी वरिष्ठ कमांडरों को सीमा पर भेजा गया है। दास ने कहा कि वर्तमान में प्रमुख चिंताओं में से एक बांग्लादेश में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी है। उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश में भारतीय छात्रों की संख्या करीब 8,000 है और उनमें से अधिकतर मेडिकल कॉलेजों में नामांकित हैं। अधिकतर छात्र कोमिला, ब्राह्मणबारिया और ढाका के मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे हैं तथा अनेक छात्रों ने त्रिपुरा के रास्ते भारत में प्रवेश करने का विकल्प चुना है।'' बांग्लादेश में अध्ययनरत 66 नेपाली छात्रों सहित कुल 314 छात्र रविवार को पूर्वोत्तर राज्य की सीमा के माध्यम से भारत आए, जबकि 19 और 20 जुलाई को 379 छात्र पड़ोसी देश से भारत आए थे। हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से अब तक कुल 693 छात्रों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

महानिरीक्षक ने छात्रों को निकालने में सहयोग देने के लिए बीजीबी (बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश) को भी धन्यवाद दिया। दास ने कहा, ''मैं बीजीबी का बहुत आभारी हूं, जिसने मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति और अपनी कड़ी प्रतिबद्धता के बावजूद अगरतला तक परिवहन और सुरक्षित मार्ग (छात्रों को) उपलब्ध कराकर हमारी मदद की है। यह सब सहजता से और बहुत ही पेशेवर तरीके से किया गया। यह बीएसएफ और बीजीबी के बीच मौजूद सहयोग और अच्छे संबंधों का प्रमाण है।''

'ग्रीनविच से पहले भारत की अपनी मध्यरेखा थी जो उज्जैन से होकर गुजरती थी'

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा-6 की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक के अनुसार ग्रीनविच मध्यरेखा से काफी पहले भारत की अपनी प्रधान मध्यरेखा थी जिसे 'मध्यरेखा' कहा जाता था और जो मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर से गुजरती थी।

नए पाठ्यक्रम के अनुसार विकसित पाठ्यपुस्तक में जो बदलाव किए गए हैं उनमें जाति-आधारित भेदभाव का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, भेदभाव के बारे में बी आर आंबेडकर के अनुभव के संदर्भ में बदलाव किया गया है और हड़प्पा सभ्यता को 'सिंधु-सरस्वती' सभ्यता के रूप में संदर्भित किया गया है। पुस्तक के अनुसार, ''ग्रीनविच भूमध्य रेखा पहली प्रधान मध्यरेखा नहीं है। अतीत में अन्य भी थीं। वास्तव में, यूरोप से कई शताब्दियों पहले, भारत की अपनी एक प्रधान मध्यरेखा थी। इसे मध्य रेखा कहा जाता था और यह उज्जयिनी (आज का उज्जैन) शहर से होकर गुजरती थी, जो कई शताब्दियों तक खगोल विज्ञान का एक प्रतिष्ठित केंद्र था।'' इसमें लिखा है, ''प्रसिद्ध खगोलशास्त्री वराहमिहिर लगभग 1,500 साल पहले यहीं रहते थे और काम करते थे। भारतीय खगोलशास्त्री अक्षांश और देशांतर की अवधारणाओं से अवगत थे, जिसमें शून्य या प्रधान मध्य रेखा की आवश्यकता भी शामिल थी। उज्जयिनी मध्य रेखा सभी भारतीय खगोल ग्रंथों में गणनाओं के लिए एक संदर्भ बन गई।''

पाठ्यपुस्तक में अतीत से हटकर, 'भारतीय सभ्यता का प्रारंभ' अध्याय में 'सरस्वती' नदी का कई बार उल्लेख किया गया है।

नई पाठ्यपुस्तक में, सरस्वती नदी को 'भारतीय सभ्यता का प्रारंभ' नामक अध्याय में प्रमुख स्थान दिया गया है, जहां हड़प्पा सभ्यता को 'सिंधु-सरस्वती' के रूप में संदर्भित किया गया है। इसमें कहा गया है कि 'सरस्वती' नदीघाटी में सभ्यता के प्रमुख शहरों- राखीगढ़ी और गणवेरीवाला के साथ-साथ छोटे शहर और कस्बे भी शामिल थे।

सेवाओं को बहाल करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट ने तैनात किए हजारों इंजीनियर, विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने अपने साइबर सुरक्षा भागीदार क्राउडस्ट्राइक के कारण हुई पैदा हुई गड़बड़ी के बाद अपनी सेवाओं को बहाल करने के लिए सैकड़ों इंजीनियरों और विशेषज्ञों अपने ग्राहकों के साथ तैनात किया है। कंपनी ने एक ब्लॉग में यह जानकारी दी।

माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, 18 जुलाई को क्राउडस्ट्राइक के 'अपडेट' के कारण पैदा हुई दिक्कतों से दुनियाभर में 85 लाख उपकरण प्रभावित हुए थे। माइक्रोसॉफ्ट ने 20 जुलाई को ब्लॉग पोस्ट में कहा, ''सेवाओं को बहाल करने के लिए ग्राहकों के साथ सीधे काम करने के लिए सैकड़ों माइक्रोसॉफ्ट इंजीनियरों और विशेषज्ञों को तैनात किया जा रहा है।''

वेबसीरीज 'ग्यारह ग्यारह' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर की आने वाली वेबसीरीज 'ग्यारह ग्यारह' का पोस्टर रिलीज हो गया है। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'ग्यारह ग्यारह' का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है।यह सीरीज सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर होगी। 'ग्यारह ग्यारह' में कृतिका कामरा, धैर्य करवा और राघव जुयाल की मुख्य भूमिका है।इस सीरीज में एक साथ तीन अलग-अलग दशकों 1990, 2001 और 2016 की कहानी को दिखाया जाएगा। इस सीरीज की कहानी पूजा बनर्जी और संजय शेखर ने मिलकर लिखी है।यह सीरीज जी5 पर 09 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

प्रभास को उनके प्रशंसक भगवान की तरह मानते हैं : अमिताभ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का कहना है कि प्रभास को उनके प्रशंसक भगवान की तरह मानते हैं। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। 'कल्कि 2898 एडी' वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रूपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है।'कल्कि 2898 एडी' के मेकर्स वैजयंती मूवीज ने सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो शेयर किया,जिसमें अमिताभ बच्चन, नाग अश्विन से खास बातचीत करते नजर आ रहे हैं।

अमिताभ बच्चन ने कहा कि प्रभास जैसे किसी व्यक्ति को, जिसे उनके प्रशंसक भगवान मानते हैं।उन्होंने फिल्म में अपने प्रदर्शन के लिए मिलने वाली प्रशंसा को भी टाल दिया और कहा कि यह सब नाग अश्विन की दृष्टि का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को फिल्म के पहले भाग के बारे में शिकायत थी, वे शायद इसे समझ नहीं पाए। आप दर्शकों को ध्यान में रखकर फिल्म बना रहे हैं और ऐसे कई हिस्से हैं, जिनके लिए, फिल्म उद्योग में रहने वाले व्यक्ति के रूप में, मैं समझ सकता हूं। प्रभास बहुत बड़े हैं। वह भगवान की तरह हैं कई तत्व, जो लोगों ने फिल्म के पहले भाग में महसूस किए, इसकी लंबाई के कारण, वे समझ नहीं पाए और वे कह रहे थे, 'चलो कहानी पर आते हैं'। लेकिन सच तो यह है कि पहला भाग फिल्म के नायक के लिए एक परिचय की तरह है।

पूजा

वाराणसी में रविवार को मुस्लिम समुदाय के लोग 'गुरु पूर्णिमा' के अवसर पर बालक दास जी महाराज की 'पूजा' करते हुआ।

'औरों में कहां दम था' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और अभिनेत्री तब्बू की आने वाली फिल्म 'औरों में कहां दम था' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। नीरज पांडे ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'औरों में कहां दम था' का नया पोस्टर शेयर किया है,जिसमें अभिनेत्री तब्बू भी दिखाई दे रही हैं। नीरज पांडेय ने बताया कि तब्बू वसुधा के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने इस किरदार को मजबूत, प्रेममय और स्वतंत्र बताया है। फिल्म औरों में कहां दम था पहले 05 जुलाई, 2024 को रिलीज होने वाली थी।अब यह फिल्म 02 अगस्त, 2024 को रिलीज होगी।

उर्वशी रौतेला का वायरल वीडियो और लीक ऑडियो: फैंस ने आने वाली फिल्म से जोड़ा लिंक

मुंबई/एजेन्सी

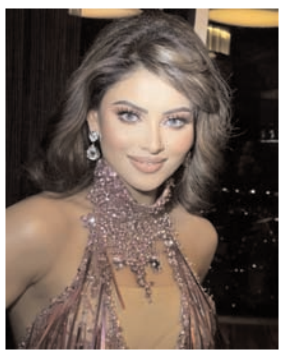

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला का खबरों में बने रहना बंद नहीं हो रहा है। हाल ही में, प्रतिभाशाली अभिनेत्री का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिससे उनके फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गयी हैं। अगले ही दिन, उनके मैनेजर के साथ उनकी बातचीत का एक ऑडियो क्लिप लीक हो गया, जिसने आग में घी डालने का काम किया। इन घटनाओं की दिलचस्प टाइमिंग ने प्रशंसकों को यह अनुमान लगाने के लिए प्रेरित किया है कि वायरल वीडियो उनकी आगामी फिल्म घुसपैठिया से जुड़ा है।

वीडियो में उर्वशी एक ऐसे अवतार में नजर आ रही हैं, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया, जिससे प्रशंसकों में इसके संदर्भ और विषय-वस्तु के बारे में जिज्ञासा पैदा हो गई है। लीक हुए ऑडियो से रहस्य की एक और परत जुड़ गई है, क्योंकि यह पर्दे के पीछे की चर्चाओं का संकेत देता है जो फिल्म के प्रचार से संबंधित हो सकती है। घटनाओं की इस सीरीज ने घुसपैठिया के लिए उम्मीदों को बढ़ा दिया है, जिससे यह इंडस्ट्री में सबसे अधिक चर्चित प्रोजेक्ट में से एक बन गई है।

सुर्खियों में बने रहने और दर्शकों को बांधे रखने की उर्वशी की क्षमता उनकी स्टार पावर और उनके द्वारा उत्पन्न की जाने वाली अपार दिलचस्पी को दर्शाती है। घुसपैठिया जल्द ही रिलीज होने वाली है, ऐसे में सभी की निगाहें उर्वशी पर हैं क्योंकि वह परदे पर और परदे के पीछे भी दर्शकों को लुभाती रहती हैं।

जैसे-जैसे उनके बारे में चर्चा तेज़ होती जा रही है, फैंस उत्सुकता से स्टार के बारे में और अधिक अपडेट और खुलासे का इंतजार कर रहे हैं।

जी5 पर स्ट्रीम होगी 'भैयाजी'

मुंबई/एजेन्सी

मनोज बाजपेयी भारतीय हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री के एक जाने-माने अभिनेता हैं। अपनी एक्टिंग से लेकर अलग-अलग किरदार निभाकर लोगों का दिल जीत चुके हैं। 'गुलमोहर', 'सिर्फ एक बंदा काफी है', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'स्पेशल 26' जैसी हिट फिल्में और वेब सीरीज देने वाले मनोज बाजपेयी की एक और धमाकेदार क्राइम थ्रिलर फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने को पूरी तरह से तैयार है। अगर आप 'द फैमिली मैन 3' की रिलीज से पहले एक्टर की कोई शानदार फिल्म देखना चाहते हैं तो आप 'भैया जी' देख सकते हैं। सिनेमाघरों के बाद 'भैया जी' अब ओटीटी पर धूम मचाने वाली है।

मनोज बाजपेयी अभिनीत बदला लेने वाली ड्रामा फिल्म 'भैया जी' डिजिटल रिलीज़ के लिए पूरी तरह तैयार है। अभिनेता मनोज बाजपेयी के करियर की मील का पत्थर साबित हुई फिल्म 'भैया जी' 24 मई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक्शन थ्रिलर उनकी सौवीं फिल्म थी। अब, सिनेमाघरों में रिलीज होने के लगभग दो महीने बाद फिल्म औटीटी पर दस्तक देने वाली है। मनोज बाजपेयी की 'भैया जी' 26 जुलाई को डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है, जिससे दर्शक अपने घरों में आराम से इसे देख सकते हैं।

मनोज बाजपेयी स्टारर 'भैया जी' के ओटीटी प्रीमियर की घोषणा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने एक खास पोस्ट शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में, जी5 के हैंडल ने फिल्म का एक ट्रेलर शेयर किया है, जिसमें मनोज बाजपेयी के किरदार भैया जी की दमदार एंट्री देखने को मिलती है और कहानी की एक झलक भी दिखाई जाती है। मनोज बाजपेयी की ये क्राइम थ्रिलर फिल्म दमदार डायलॉग्स और एक्शन सीक्वेंस से भरपूर है। ट्रेलर के साथ-साथ पोस्ट के कैप्शन से पता चला कि फिल्म 26 जुलाई को रिलीज़ होगी। मनोज बाजपेयी की 100वीं फिल्म 'भैया जी' में सुविंदर विक्की, जतिन गोस्वामी, विपिन शर्मा, जोया हुसैन जैसे शानदार स्टार्स भी हैं। फिल्म का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जिन्होंने बाजपेयी की 2023 की कोर्ट ड्रामा 'सिर्फ एक बंदा काफी है' का निर्देशन किया था। 'भैया जी' का निर्माण विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, समीक्षा ओसवाल, शैल ओसवाल, शबाना रजा बाजपेयी और विक्रम खाखर द्वारा किया गया है।

मैंने खुद को कभी गंभीरता से नहीं लिया : तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

तृप्ति डिमरी 'बैड न्यूज' के साथ फिर दर्शकों के सामने हैं। उनके लिए ये फिल्म फिर एक बार गुड न्यूज लेकर आई है। क्रिटिक्स और ऑडियंस की ओर से एक्ट्रेस के स्किल्स को काफी सराहा जा रहा है। 'कला' और 'एनिमल' जैसी मूवीज से तृप्ति प्रशंसकों के दिलों पर राज कर रही हैं। यही वजह है कि उन्हें 'नेशनल क्रश' का तमगा फैंस ने दे दिया है। इंडस्ट्री में सात साल बीता चुकी यंग एक्टर को नेशनल क्रश का टैग कैसा लगता है? ये पूछने पर कहती हैं मैंने तो बतौर एक्टर खुद को गंभीरता से लिया ही नहीं। आईएएनएस से तृप्ति ने बातचीत की। कहा , यह बहुत ही एक्साइटमेंट से भरा रहा है। जब मैंने शुरुआत की थी, तो मुझे नहीं पता था कि मैं इतने बेहतरीन एक्टर्स और डायरेक्टर्स के साथ काम करूंगी, क्योंकि मैंने पहले कभी खुद को बतौर एक्टर इतनी गंभीरता से नहीं लिया था।'' अपनी पहली फिल्म में काम करने के बाद, एक्ट्रेस ने सब कुछ किस्मत पर छोड़ दिया। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने सोचा, चलो एक फिल्म मिल गई। देखते हैं कि मुझे दूसरी फिल्म मिलती है या नहीं। लेकिन सौभाग्य से, सितारे मेरे फेवर में थे और मेरा 'लैला मजनू' के लिए दिया गया ऑडिशन पास हो गया।

तृप्ति ने खुलासा किया कि वह शुरू में इम्तियाज अली की 'लैला मजनू' के ऑडिशन में नहीं गई थीं। उन्हें फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर ने देखा था।'' मैं ऑडिशन देने नहीं गई थी, लेकिन कास्टिंग डायरेक्टर ने मुझे ढूंढ लिया। उन्होंने कहा कि मैं कश्मीरी दिखती हूं और मुझे इसके लिए ऑडिशन देना चाहिए, और इस तरह मुझे वह फिल्म मिल गई। तभी मैंने सोचा कि शायद यहां मेरे लिए कुछ है और मुझे इसे सीरियसली से लेना चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि एक्टिंग क्या होती है। उन्होंने कहा, मैंने कभी एक्टिंग क्लासेस नहीं लीं। मुझे अच्छे, बुरे या ओवरएक्टिंग का कोई कॉन्सेप्ट नहीं पता था। इसलिए, 'लैला मजनू' के पहले शेड्यूल के खत्म होने के बाद, मैंने एक्टिंग क्लास में एडमिशन लिया और तब मुझे दुनिया समझ में आई'' एक्ट्रेस ने कहा, ''मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में मेरा सफर शानदार रहा है। 'कला', 'बुलबुल', 'लैला मजनू' और 'एनिमल' में एक्टिंग के लिए फैंस से मुझे जो प्यार मिला है, उससे मुझे अच्छा महसूस होता है जब आप किसी प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू करते हैं, तो आप चाहते हैं कि लोग आपके द्वारा निभाए गए किरदारों से जुड़ें। जब ऐसा होता है, तो मुझे वाकई बहुत अच्छा महसूस होता है।'' रणबीर कपूर स्टारर 'एनिमल' में एक्टिंग करने के बाद 2023 में तृप्ति के लिए सब कुछ पॉजिटिव रहा। उन्हें 'नेशनल क्रश' का टैग दिया गया। जब उनसे पूछा गया कि वह इस टैग के बारे में कैसा महसूस करती हैं, तो तृप्ति ने जवाब दिया, ''टैग से ज्यादा, यह प्यार है। लोग मुझे 'बुलबुल' या 'कला' कहते हैं... अगर मैं कश्मीर जाती हूं, तो कोई मुझे मेरे नाम से नहीं बुलाता, वे कहते हैं 'लैला'...

उन्होंने कहा, यह प्यार आपको बतौर एक्टर आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। यह ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि आप लोगों का विश्वास और दिल जीत सकें।''

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

लघु उद्योग से जुड़ी महिला उद्यमियों ने भी अपने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए और अच्छा रेस्पांस पाया। महिला संगठन की कार्यकारिणी एवं सलाहकार सदस्याओं ने मानवसेवी कार्य के सहयोगार्थ आयोजित इस आनंद मेले की व्यवस्था संभाली।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की साधारण सभा 18 अगस्त को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, महिला मंडल, युवा मंडल की शनिवार को एक बैठक बिहार भवन में आयोजित हुई जिसमें वार्षिक साधारण सभा 2024 से संबंधित विचार विमर्श हुआ। परिषद अध्यक्ष डॉ विनयकुमार यादव द्वारा आहूत बैठक की अध्यक्षता महिला मंडल अध्यक्षा अमित झा ने की। परिषद् सचिव पंडित राजगुरु ने ईश वंदना से बैठक का प्रारंभ किया। तदुपरांत राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश्वर सिंह , ट्रस्ट सचिव रामलखन सिंह, हरिश्चंद्र झा,उदय कुमार इत्यादि ने अपने विचार व्यक्त किए।

परिषद् कोषाध्यक्ष दीपेश कुमार ने वार्षिक आय-व्यय पटल पर रखा। बैठक में यह निर्णय हुआ कि परिषद की वार्षिक साधारण सभा 18 अगस्त को आयोजित की जाए। बैठक में नई कार्यकारिणी समिति के चयन हेतु एक चयन समिति बनाई गई,जिसके सदस्य परिषद के सभी पूर्व अध्यक्ष एवं ट्रस्टी होंगे, इस चयन समिति के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह को बनाया गया। बैठक में साधारण सभा के दिन नर्सरी से लेकर द्वितीय पीयूसी तक के मेधावी बच्चों को पारितोषिक देने का निर्णय लिया गया। हरिश्चंद्र झा को ट्रस्ट एवं परिषद का संयोजक बनाया गया एवं उदयकुमार इस वर्ष दुर्गा पूजा के अध्यक्ष होंगे। बैठक में बिहार भवन विकास हेतु नई रूपरेखा पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। इस बैठक में उषा झा, शीला देवी, डेजी शर्मा, मिंटू दुबे, संजय सिंह, यशवंत सिंह, प्रवीन उपाध्याय, रविरंजन, रविशंकर, विनय कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

मानवीय सेवा के सहयोगार्थ आयोजित 'आनंद उत्थान मेले' में महिलाओं को मिला एक विकासशील मंच

माहेश्वरी महिला मंडल ने आयोजित किया एक दिवसीय मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा एक दिवसीय 'आनन्द मेला उत्थान 2024' बिक्री प्रदर्शनी का आयोजन माहेश्वरी भवन में किया गया। आनंद मेले के प्रायोजक पंचकेसरी बडेरा ज्वेलर्स के प्रमुख माणकचन्द बडेरा, मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित बिग बुल डेल्टा इंडिया की संस्थापिका रुचि अग्रवाल, माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियाणी, सलाहकार सदस्य सुशीला बागडी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर मालू , माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष भगवानदास बल्दवा, माहेश्वरी फ़ाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा ने भगवान महेश की पूजा कर दीप प्रज्वलित किया।

मधु भूतड़ा ने प्रायोजक माणकचन्द बडेरा का परिचय दिया। इस मौके पर बडेरा ने कहा कि उनका प्रतिष्ठान पांच पीढ़ियों से इस ज्वेलरी के व्यवसाय में है। उन्होंने संयुक्त परिवार के गुणों के बारे में बताते हुए कहा कि समय के साथ परिवार का भार आने वाली पीढ़ी को सौंपते जाना चाहिए, छोटों को आगे बढ़ाते जाना चाहिए। संस्था की ओर से उनका सम्मान किया गया। अर्पिता झंवर ने रुचि अग्रवाल का परिचय दिया। अग्रवाल ने कहा कि मन में दृढ़संकल्प हो तो छोटे रूप से व्यापार को शुरू करके महिलाएँ बहुत आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कम्पनी के बारे में बताते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में प्रेरणा दी। महिलाओं ने रुचि अग्रवाल का सम्मान किया।

आनंद मेले मे पंचकेसरी ज्वेलर्स के स्टॉल के साथ बच्चों के कपड़े, रसायक मुक्त सौंदर्य प्रसाधन, सजावटी समाज, मेकअप सामान, बेडशीट्स, राखी, गिफ्ट आइटम और अन्य अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थों के लगभग 80 स्टाल लगाए गए। इस आनंद मेले में महिला व युवतियों ने जमकर खरीददारी कर मेले का खूब आनंद उठाया। प्रायोजकों की ओर से हर एक घंटे में लक्की ड्रॉ निकाला गया।

अनेक लघु उद्योग से जुड़ी महिला उद्यमियों ने भी अपने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए और अच्छा रेस्पांस पाया। महिला संगठन की कार्यकारिणी एवं सलाहकार सदस्याओं ने मानवसेवी कार्य के सहयोगार्थ आयोजित इस आनंद मेले की व्यवस्था संभाली। सचिव निर्मला काँकाणी व पल्लवी गिलड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। गायत्री मालपानी ने धन्यवाद दिया।

प्रबल पराक्रम के पुरोधा थे आचार्यश्री भिक्षु : साध्वी उदितयशा

गांधीनगर में निकाली गई अनुशासन रैली, हुई मंत्र दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेयुप बेंगलूरु द्वारा साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ स्थापना दिवस व मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व साध्वीश्री जी के मंगल पाठ से अनुशासन रैली का आयोजन किया गया। यह रैली जैन धर्म, तेरापंथ धर्म एवं आचार्य भिक्षु से महाश्रमणजी के अवदानों का उदघोष करती हुई फ्रीडम पार्क, गांधीनगर मुख्य चौराहे होते हुए पुनः गांधीनगर तेरापंथ भवन में पहुंची। जिसमें ज्ञानशाला के साथ सम्पूर्ण तेरापंथ श्रावक समाज की सहभागिता रही रैली संयोजक गौतम खाबिया का विशेष श्रम रहा। साध्वी संगीतप्रभाजी, भव्ययशाजी एवं शिक्षाप्रभाजी ने मधुर गीत का संगान किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रज्ञा संगीत सुधा के मंगलाचरण से हुई । बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम त्रिपदी वंदना, अर्हम की वंदना, णमोकर मंत्र के गाने एवं लघु नाटिका की प्रस्तुति दी।

साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु एक महान साधक व सत्य के पुजारी थे। उनका नाम स्वयं एक मंत्र बन गया, अमर बन गया। हम सभी उनके सिद्धांतों पर अमल करे। ज्ञानशाला 400 ज्ञानार्थियों को नमस्कार महामंत्र का महत्व बताते हुए 80 बच्चों को मंत्र दीक्षा प्रदान की तथा कुछ अमूल्य संकल्प प्रदान किए। तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल ने सबका स्वागत किया। महासभा प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, तेयुप शाखा प्रभारी अमित दक, ज्ञानशाला संयोजिका नीता गादिया, मंजु गन्ना ने अपने विचार व्यक्त किये । मंत्र दीक्षा कार्यक्रम के प्रायोजक प्रकाश कुंडलिया तथा सुरेश कोठारी का परिषद द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन तेयुप मंत्री राकेश चोरड़िया ने किया तथा सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने आगामी कार्यक्रमों की सूचना दी । मंत्र दीक्षा संयोजक मनोज पोकरना ने सभी का आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, महिला मंडल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, अभातेयूप से दिनेश पोखरना, राष्ट्री सामायिक प्रभारी राकेश दक, नेत्रदान सलाहकार एवं महासभा सदस्य नवनीत मुथा, गौतम खाबिया,तेयुप राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया, टी दासरहल्ली के अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी, हनुमंतनगर के अध्यक्ष कमलेश झाबक, यशवंतपुर के महावीर गन्ना सहित अनेक जन उपस्थित थे।

गुरु नसीब से मिलते हैं, पर फलते हैं श्रद्धा से : साध्वी अक्षतरत्नाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड में चातुर्मास विराजित केसर समुदायवर्ती साध्वीश्री शीलप्रज्ञाश्री की निश्रा में अक्षतरत्नाश्रीजी ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कहा कि गुरु अंधकार को मिटाने आते हैं, गुरु के आशीर्वाद तो हरदम मिल सकते हैं लेकिन आशीर्वाद तभी फलते हैं जब उन पर श्रद्धा होती है, गुरु तत्व भी है, तेज भी है। गुरु नसीब से मिलते हैं पर फलते हैं श्रद्धा से। जो प्रभु की शरण स्वीकारता है जयणा पालन करता है, गुरु चरणों में समर्पण करता है वह कभी दुखी नहीं होता है। परमात्मा पावर हाउस है और गुरु उस पावर हाउस के माध्यम से हमें जिनवाणी रूपी पावर को सप्लाई करते हैं। जीवन में विनय और विवेक बहुत जरूरी है, हम अपनी बुद्धि से जो कमाते हैं वह मौज शौक में खर्च होता है और गुरु

का आशीर्वाद मिल जाए तो मिला हुआ पैसा सद्कार्य में खर्च होता है। गुरु हमारे अंदर आए हुए कषायों को साफ करते है।

साध्वीश्री ने कहा कि बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद से हम सुखी हो सकते हैं और अगर गुरु का आशीर्वाद मिल जाए पूरा जीवन सफल और सुखी बन जाएगा। गुरु अपनी खूबी से ज्यादा खामी दिखाकर अपना उद्धार करते हैं आगे कदम बढ़ाने के लिए साथ देते हैं। हम तो सिर्फ अपना कार्य साधते हैं पर गुरु स्व और पर सबका कल्याण करते हैं 8 महीने की कालिमा को दूर करने के लिए 4 महीने के लिए गुरु चातुर्मास करके हम सबके आत्मा की सफाई करते हैं।

'गुरु ही हमारे जीवन में अज्ञानता को दूर करने वाले होते हैं'

बसवनगुडी दादावाड़ी में गुरु पूर्णिमा पर हुई गुरुपूजा और भक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा पर्व पर विशेष हर्षोल्लास और गुरुदेव के प्रति अटूट श्रद्धा और समर्पण का भाव झलका। पूज्य मुनिराज मलयप्रभसागरजी और साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा पढाई गई। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि गुरु हमें नॉलेज के साथ विस्डम (प्रज्ञा) तक की यात्रा करवाते हैं। जब व्यक्ति को ज्ञान के साथ बुद्धि विवेक की प्राप्ति होती है तो वह विनय की प्रतिमूर्ति बन जाता है। हमारी आत्मा की विकास यात्रा अभी तक जारी है क्योंकि अभी तक हम जड पुद्गल पदार्थों में उलझे हुए हैं और उन्हीं जड़ पदार्थों से हमें बाहर निकालने का कार्य सद्गुरु करते हैं। जैन दर्शन पूर्णतः अहिंसावादी है लेकिन देव गुरु और धर्म पर आंच भी नहीं आनी चाहिए। गुरु दूज के बढ़ते हुए चांद के जैसे होते हैं जो निरंतर स्वयं बढ़ते हुए अपने शिष्यों को भी बढ़ाते रहते हैं।

साध्वी सूत्रांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि महावीर, बुद्ध, राम और कृष्ण की जन्मभूमि विश्वगुरु भारत की संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया है, गुरु ही हमारे जीवन में अज्ञानता को दूर करने वाले होते हैं। गुरु हमें जीवन की राह दिखाते हैं, और हमारे जीवन से अज्ञान के अंधकार को मिटाते हैं।

हमारी आत्मा के रोग, कषायों को दूर करने के लिए गुरु ही सन्मार्ग दिखाते हैं। हमारे जीवन में जब तक कोई सच्चे गुरु नहीं होते हैं तब तक सही मायनों में हमारा जीवन शुरु नहीं होता है। गुरु के स्वयं का जीवन तो रोशनीमय होता है वैसे ही शिष्य का जीवन भी गुरु उज्ज्वल बनाते हैं। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अर्पिता चौपड़ा, श्वेता बोहरा, मधु कवाड़, सरिता पारख, तेजस छाजेड़ और पंकज बाफना ने गुरु के प्रति अपने समर्पण भाव प्रस्तुत किए।

जीवन में गुरु का कर्ज चुकाना असंभव : संतश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर में वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के लुणावत स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजेशमुनिजी 'श्रमण' ने गुरु पूर्णिमा के मौके पर कहा कि व्यक्ति को एक मां संसार में लाती है ताकि, हम अपने जीवन को संवार सकें और दूसरी मां प्रवचन मां है जो हमें संसार सागर से पार कर सिद्ध, बुद्ध और मुक्त बनाने वाली होती है। यह गुरु के माध्यम से ही होता है। हम अपने जीवन की डोर अगर सुगुरु के हाथ सौंप दें तो हमें हीरे सा तराशकर सबसे ऊंचे सिद्ध अवस्था में पहुंचा सकते हैं, इसके लिए पूर्ण समर्पण और श्रद्धा चाहिए । इसीलिये तो संसार में लाने वाली मां, संसार के कार्य क्षेत्र में कार्य सिखाने वाले गुरु का और अंत में संसार सागर से पार करवाने वाले गुरु का कर्जा हम मरते दम तक चुका नहीं सकते। हम अपनी चमड़ी से जूते बनाकर भी क्यों ना पहना दें, इनका कर्ज चुकाना संभव नहीं है। संतश्री ने कहा कि जीवन में गुरु का अत्यंत महत्व होता है। जब हम सच्चे शिष्य बनने में सफल होंगे तभी हम एक सच्चे गुरु बन सकते है। पहले हमें पूर्ण अभिमान, रहित बनकर पूर्ण समर्पण के साथ सच्चा शिष्य बनना है। अतः हमें अपने अभिमान, अहंकार को गुरु की झोली में डाल देना है तो हमारी झोली स्वतः सर्वगुणों से भर जाएगी। मुनि ने कहा कि अहिंसा, संयम और तप ही सबसे बड़ा धर्म है। मंत्री छगनमल लुणावत ने स्वागत किया।

नई पीढ़ी का जीवन निर्माण आज सबसे बड़ी चुनौती

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के नजरबाद स्थित शिक्षक सदन की बुद्धि-वीर वाटिका के विशाल पंडाल में पहले जागरण सेमिनार को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अपने बेटे के जीवन निर्माण के लिये अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का प्रिंसिपल को लिखा पत्र एक भावनात्मक प्रेरणादायी ऐतिहासिक दस्तावेज है। उसमें लिखी बातों पर गौर करने जैसा है।

अपने बालकों को भीतर और बाहर, दोनों मोर्चों पर सजग रहते हुए आगे बढ़ने की शिक्षा-दीक्षा देने की आवश्यकता है। उनके मौलिक व्यक्तित्व का विकास होना चाहिये। उन्हें विरासत में सुख-सुविधाएं देने के बजाय, सद्गुण और सही ज्ञान देने की जरूरत है। हमारे बालक न्यायप्रिय और प्रामाणिक, धैर्यवान किंतु शूरवीर, सहनशील लेकिन संघर्षशील होने चाहिएं। उन्हें समझाना होगा कि इस्पात की अग्निपरीक्षा होगी। जब तक पैसों का मूल्यांकन पता न चलें, तब तक उनके हाथों में पैसे देना भारी भूल होगी कि आज टीनएजर्स और युवाओं के जीवन में प्रविष्ट हुए जुआ, शराब, ड्रग और हिंसा जैसे अपराधों के पीछे परिपक्वता के अभाव में मिल रही, बेसुमार सुख-सुविधाएं हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि नई पीढ़ी का जीवन-निर्माण आज हर परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। जो भी अभिभावक इसमें गफलत करेंगे, वे परास्त हो जाएंगे। उनके पछताने के दिन आयेंगे। जमाने के भरोसे मासूम बच्चे बड़े नहीं होंगे, उल्टा वे बिगड़ कर बरबाद हो जाएंगे। जमाना तो कल भी खराब ही था, हमें उसे अपनी संस्कृति के अनुरूप बदलने का जज्बा खड़ा करना होगा। सिर्फ जमाने को दोष देकर चलते रहने से कोई सार्थक परिवर्तन नहीं होगा, संसार और समय तो गति करते रहेंगे, हम नहीं संभले तो अच्छी संभावनाएं खो देंगे।

इस अवसर पर कल्याण मित्र वर्षावास समिति के अशोक दांतेवाडिया ने सभी का स्वागत किया। कांतिलाल चौहान ने आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। अनेक साधकों ने आयंबिल तप किया। इस मौके पर अनेक शहरों से श्रद्धालु सेमिनार में उपस्थित थे।

आध्यात्मिक मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वेल्लूर श्रीपुरम स्थित नारायणी पीठम में शक्ति अम्मा ने पेजावर मठ उडुपी के श्री विश्वप्रसन्नतीर्थ स्वामीजी जगद्गुरु माधवाचार्य से मुलाकात की तथा धर्मचर्चा की। इस मौके पर पेजावर मठ की स्वामीजी को नारायणी पीठम का प्रसाद दिया गया।

NATIONAL LAND MONETIZATION CORPORATION
(A wholly owned Govt. of India Company)
Want to invest in Good Properties?
Look No Further!
FOR SALE
Premium Flats are available at prime locations
Residential Flats in Prayagraj, Uttar Pradesh
2 Flats at Agnipath Housing Scheme, Civil Lines
5 Flats at Juhi Housing Scheme, Muir Road
Residential Flats in Kolkata, West Bengal
4 Flats at Golf Link Apartments at 50, Chanditala Lane
Contact Details:
NLMC
Asst. Manager: Sh. Ajay Kumar
Mob: +91 7840 000 686
Email: am-nlmc-dpe@gov.in
Asst. Manager: Sh. Shashikant
Mob: +91 9557 352 295
Email: sk-nlmc-dpe@gov.in
AU Bank
Prayagraj: Sh. Rakesh Tripathi
Mob: +91 8306 004 336
Email: rakesh.tripathi1@aubank.in
Kolkata: Sh. Rohit Singh
Mob: +91 8905 222 092
Email: rohit.singh18@aubank.in
For RFP
For E-brochure & more information, Scan here
cbc 15229/12/0001/2425

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com